RNI NO. PUNBIL/2014/59416 UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

आधे बाहर फिर रहे, फिर भी अंदर भीड़।
अंदर-बाहर हर जगह, बने हुए सिर-पीड़।
बने हुए सिर-पीड़, समस्या बेहद मोटी।
कैदी हैं अनगिनत, मगर जेलें हैं छोटी।
कह साहिल कविराय, जेल को बड़ा बनाओ।
या फिर जबरन कई, जमानत पर भिजवाओ।

प्रस्तुति : डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 03 | ISSUE 196 | SATURDAY DATE 08-08-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

दिल्ली विधानसभा में दवा घोटाले पर हंगामा, 'आप' विधायकों को मार्शल ने बाहर निकाला

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 अगस्त ।**

दिल्ली विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान कथित 650 करोड़ रुपये के दवा घोटाले को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) और सत्ता पक्ष के बीच जोरदार टकराव देखने को मिला। दवा घोटाले पर तत्काल चर्चा कराने की मांग को लेकर सदन में विरोध प्रदर्शन कर रहे 'आप' विधायकों को मार्शल आउट कर दिया गया। इसके बाद विधानसभा परिसर में पार्टी विधायकों

ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए भाजपा सरकार पर जवाबदेही से बचने का आरोप लगाया। 'आप' विधायक दल के चीफ व्हीप संजीव झा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि दिल्ली सरकार ने लगभग 100 करोड़ रुपये की दवाइयों को 400 करोड़ रुपये में खरीदा, जबकि पोर्टेबल वेंटिलेटर और अन्य चिकित्सा उपकरण भी कई गुना अधिक कीमत पर खरीदे गए। उनका आरोप है कि अब पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने के बजाय सरकार लीपापोती करने की कोशिश कर रही है। संजीव झा ने कहा कि उनकी पार्टी ने विधानसभा में नियम-59 के तहत इस कथित घोटाले पर तत्काल चर्चा कराने की मांग की थी, लेकिन सरकार ने चर्चा की अनुमति देने के बजाय विपक्षी विधायकों को सदन से बाहर करवा दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार लगातार दूसरे विधानसभा सत्र में प्रश्नकाल नहीं रख रही है, जिससे सरकार की जवाबदेही तय नहीं हो पा रही है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रश्नकाल सरकार से जवाब मांगने का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम होता है।

संक्षिप्त खबरें

विजय चिंतकायला ने पीएम मोदी को मंगलगिरी शॉल भेंट किया

नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 अगस्त । भारत की समृद्ध हथकरघा परंपरा का जश्न मनाने वाले दिन आंध्र प्रदेश के मशहूर मंगलगिरी हथकरघा उत्पाद को देश के सर्वोच्च राजनीतिक कार्यालय में जगह मिली। राज्यसभा सांसद विजय चिंतकायला ने राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हाथ से बुना हुआ पारंपरिक शॉल भेंट किया। इस मुलाकात के दौरान भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और अन्य वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे। यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के संदेश के अनुरूप था, जिसमें उन्होंने भारत के बुनकरों और कारीगरों को श्रद्धांजलि दी और ग्रामीण सशक्तिकरण, महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास और 'आत्मनिर्भर भारत' के विजन को आगे बढ़ाने वाले हथकरघा क्षेत्र को मजबूत करने के लिए केंद्र की प्रतिबद्धता को दोहराया।

डीयू के ग्वायर हॉल में जिमनेजियम और रॉक वॉटरफॉल का उद्घाटन

नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 अगस्त। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के ग्वायर हॉल में रहने वाले विद्यार्थियों के लिए जिमनेज़ियम और रॉक वॉटरफॉल की नई सुविधाओं का शुक्रवार को उद्घाटन किया गया। दक्षिणी परिसर की निदेशक प्रो. रजनी अब्बी ने इनका शुभारंभ करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास के साथ-साथ उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को भी समान महत्व देता है। उद्घाटन समारोह के दौरान प्रो. रजनी अब्बी ने इन सुविधाओं के विकास के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह के मार्गदर्शन और सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने ग्वायर हॉल प्रशासन की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से विद्यार्थियों के लिए स्वास्थ्यवर्धक और बेहतर जीवनशैली को बढ़ावा देने वाली सुविधाएं विकसित की गई हैं।

लक्ष्मी योजना लागू होने पर महिलाओं ने रेखा गुप्ता का किया जोरदार स्वागत

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 अगस्त ।**

दिल्ली विधानसभा से 'लक्ष्मी योजना' के लागू होने के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का महिलाओं ने जोरदार स्वागत किया। महिलाओं ने उन्हें माला पहनाते हुए खुशी में सीएम रेखा गुप्ता जिंदाबाद जैसे नारे भी लगाए। इस दौरान कई महिलाएं उनके साथ इस खुशनूमा पल को तस्वीरों में भी कैद करती नजर आईं। इस खास मौके पर सीएम रेखा गुप्ता के साथ दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा और आशीष सूद भी नजर आए। इस खास मौके पर सभी महिलाओं के चेहरे पर लक्ष्मी योजना के लागू होने की खुशी साफ नजर आ रही थी।

वहीं, सीएम रेखा गुप्ता ने खुद समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में लक्ष्मी योजना के लागू होने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि जो वादा दिल्ली सरकार ने महिलाओं से किया था, उसे आज हम पूरा करने में सफल रहे हैं। महिलाओं की खुशी का ठिकाना नहीं हैं। मैं खुद व्यक्तिगत रूप से बहुत खुश हूं। मेरे पास अपनी खुशी को व्यक्त करने के लिए कोई शब्द नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि मैं वादा करती हूं कि दिल्ली की महिलाओं के मान सम्मान के लिए यह सरकार हमेशा से उनेक साथ खड़ी रहेगी। मैं आप लोगों को आश्वस्त करती हूं कि उनके हितों के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उनका सशक्तीकरण हमारा प्राथमिक लक्ष्य है। उधर, दिल्ली सरकरार में मंत्री आशीष सूद ने भी लक्ष्मी योजना के लागू पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि विनोद कहने का नहीं, बल्कि देखने का दिन है। इन लोगों को देखना चाहिए कि कैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में महिलाओं के खाते में महज एक साल के अंदर ढाई हजार रुपये मिलने का रास्ता खुल गया है, जिसका चौतरफा स्वागत किया जा रहा है।

'सिर्फ आर्थिक मदद नहीं, आत्मसम्मान की योजना है दिल्ली लक्ष्मी योजना' : आशीष सूद

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 अगस्त ।**

दिल्ली विधानसभा में दिल्ली लक्ष्मी योजना पर हुई चर्चा के दौरान शिक्षा, गृह, ऊर्जा एवं शहरी विकास मंत्री आशीष सूद ने योजना को महिलाओं के सम्मान, स्वाभिमान और सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक पहल बताया। उन्होंने कहा कि यह योजना केवल आर्थिक सहायता देने तक सीमित नहीं

है, बल्कि महिलाओं में आत्मविश्वास और सामाजिक सम्मान बढ़ाने का माध्यम भी बनेगी। विधानसभा में अपने संबोधन के दौरान आशीष सूद ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि किसी भी कल्याणकारी योजना का महत्व केवल उसकी आर्थिक राशि से नहीं, बल्कि उससे लाभार्थियों को मिलने वाले सम्मान और आत्मनिर्भरता से आंका जाना चाहिए।

फार्मा सेक्टर की पीएलआई योजना: मार्च 2026 तक 6,659 करोड़ रुपये के प्रोत्साहन बांटे गए

दिल्ली, यूटर्न/ 07 अगस्त । देश में दवा निर्माण को बढ़ावा देने के लिए चलाई जा रही पीएलआई (उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन) योजनाओं के तहत सरकार ने महत्वपूर्ण प्रगति की है। फार्मास्युटिकल्स के लिए पीएलआई योजना के तहत, जिसकी प्रदर्शन अवधि वित्त वर्ष 2022-23 में शुरू हुई थी, मार्च 2026 तक कुल 15,000 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय में से 6,659 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि का वितरण किया जा चुका है। यह योजना देश में फार्मास्यूटिकल क्षेत्र की विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत करने में अहम भूमिका निभा रही है। दूसरी ओर, बल्क ड्रग्स (कच्ची दवाओं) के लिए बनाई गई पीएलआई योजना के तहत 6,940 करोड़ रुपये के कुल बजट में से मार्च 2026 तक 87.70 करोड़ रुपये बांटे गए हैं।

असम में बाढ़ से मरने वालों की संख्या 97 हुई, 1.68 लाख लोग प्रभावित

गुवाहाटी, यूटर्न/ 07 अगस्त । असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी है वहां दो और लोगों की मौत के साथ इस साल बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 97 तक पहुंच गई है। वहीं प्रभावित लोगों की संख्या भी बढ़कर 1.68 लाख से ज्यादा हो गई। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) ने बताया कि पिछले 24 घंटे में गोलाघाट और उदलगुड़ी जिलों में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई।

प्राधिकरण की रिपोर्ट के मुताबिक वर्तमान में गोलाघाट, शिवसागर, उदलगुड़ी, कामरूप मेट्रोपॉलिटन, नगांव, कामरूप, दरांग, सोनितपुर, होजाई, लखीमपुर, बिश्वनाथ, जोरहाट, चराइदेव, कार्बी आंगलोंग और धेमाजी जिलों में 1.68 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। गोलाघाट सबसे ज्यादा प्रभावित जिला है, जहां करीब 54,000 लोग बाढ़ की चपेट में आए।

सरकार छात्रों की आवाज दबा रही है, गृहमंत्री संसद में जवाब देने से बच रहे: प्रियंका गांधी

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 अगस्त ।**

कांग्रेस सांसदों ने सरकार पर आरोप लगाया कि सरकार छात्रों की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है और केंद्रीय गृह मंत्री संसद में आकर जवाब देने से बच रहे हैं। साथ ही, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के जेन जी को लेकर दिए गए बयान को लेकर भी कांग्रेस ने सरकार और संघ पर निशाना साधा है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने प्रयागराज में प्रस्तावित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को लेकर कहा कि सरकार इस कार्यक्रम से डर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के कार्यक्रमों के साथ हमेशा ऐसा ही व्यवहार किया जाता है। केंद्रीय गृहमंत्री के संसद में आने के सवाल पर प्रियंका गांधी ने कहा कि ऐसा नहीं लगता कि वे सदन में आएंगे। यदि कोई गलती हुई है तो सरकार को उसकी जिम्मेदारी लेते हुए संसद में जवाब देना

चाहिए। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने भी गृह मंत्री की अनुपस्थिति पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री लोकसभा और संसद से गायब हैं। वेणुगोपाल ने मांग की कि गृह मंत्री सदन में आकर स्पष्ट करें कि छात्रों पर पैलेट गन चलाने और आंसू गैस छोड़ने का आदेश किसने दिया। देश और छात्र दोनों इन सवालों के जवाब चाहते हैं।

एलजी संधू का सख्त संदेश: ट्रैफिक जाम नहीं होगा बर्दाश्त रॉन्ग साइड ड्राइविंग पर कड़ी कार्रवाई

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 अगस्त ।**

दिल्ली के उपराज्यपाल टी.एस संधू ने राजधानी की ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में मानसून के दौरान ट्रैफिक प्रबंधन, जलभराव, सड़क सुरक्षा, नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई और आगामी स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों की समीक्षा की गई। इस दौरान एलजी ने निर्देश दिया है कि अनुशासन में किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों के कारण इस वर्ष मानसून के दौरान जलभराव की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। वर्ष 2024 में जहां 194 स्थानों पर जलभराव दर्ज किया गया था, वहीं 2026 में यह संख्या घटकर 65 रह गई है।

वहीं, बार-बार जलभराव वाले स्थानों की संख्या 53 से घटकर केवल 20 रह गई।जलभराव कम होने का असर ट्रैफिक व्यवस्था पर भी दिखा है। जुलाई 2026 में ट्रैफिक हेल्पलाइन पर जाम संबंधी 572 कॉल प्राप्त हुईं, जबकि जुलाई 2025 में यह संख्या 701 थी। सोशल मीडिया पर ट्रैफिक शिकायतें भी 1,792 से घटकर 1,653 रह गईं। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने इस वर्ष नियम तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया। 31 जुलाई 2026 तक गलत दिशा (रॉन्ग साइड) में वाहन चलाने के 3,51,523 चालान किए गए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 113 प्रतिशत अधिक हैं। गंभीर मामलों में 8 अप्रैल से 31 जुलाई 2026 के बीच 2,321 एफआईआर भी दर्ज की गईं।अनधिकृत पार्किंग के खिलाफ भी कार्रवाई तेज हुई।

संक्षिप्त खबरें

फल मंडी में अध्यापक पर हमले व लूट का आरोप

गाजियाबाद, यूटर्न/ 07 अगस्त। सिहानी गेट थाना क्षेत्र की आंबेडकर रोड स्थित मंडी में एक सरकारी अध्यापक पर हमला हुआ। मालीवाड़ा निवासी शिव नारायण राही बुलंदशहर में सरकारी अध्यापक हैं। बृहस्पतिवार देर शाम वह आम खरीदने गए थे। उन्होंने एक फल विक्रेता से ढाई किलो आम खरीदे। घर आकर देखा तो सभी आम खराब निकले। इसका विरोध करने वह दोबारा मंडी पहुंचे। आरोप है कि फल विक्रेता और उसके आसपास ठेली लगाने वाले युवकों ने उन पर हमला कर दिया। डंडों और धारदार हथियार से अध्यापक को लहूलुहान कर दिया। हमलावरों ने उनकी जेब से 750 रुपये की नकदी भी लूट ली।

ट्रेनों में चोरी करने पर पौव्वा को दो वर्ष तीन माह कारावास

गाजियाबाद, यूटर्न/ 07 अगस्त। ट्रेनों में यात्रियों का सामान चोरी करने वाले गिरोह के सदस्य किशन उर्फ हनी उर्फ पौव्वा को गैंगस्टर एक्ट के मामले में अदालत ने दोषी ठहराते हुए दो वर्ष तीन माह के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने उस पर 10 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। जुर्माना जमा नहीं करने की स्थिति में उसे एक माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। अदालत से मिली जानकारी के अनुसार जीआरपी थाना प्रभारी अनुज मलिक ने 13 मई 2014 को किशन उर्फ हनी उर्फ पौव्वा को गिरफ्तार किया था। जांच में सामने आया कि वह ट्रेनों में यात्रियों का सामान चोरी करने वाले गिरोह का सक्रिय सदस्य था। उसके खिलाफ चोरी और चोरी का सामान रखने से जुड़े तीन मुकदमों के आधार पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई थी।

बस से उतरते समय युवक की मौत, चालक को तीन माह की सजा

गाजियाबाद, यूटर्न/ 07 अगस्त। विजय नगर क्षेत्र में बस से उतरते समय युवक की पिछले पहिये के नीचे आने से हुई मौत के 25 साल पुराने मामले में अदालत ने बस चालक सत्येंद्र को दोषी करार दिया है। अपर सिविल जज (सीडि.)/एसीजेएम कोर्ट-5 की न्यायाधीश अर्पिता यादव ने सत्येंद्र को धारा 279 और 304 ए के तहत दोषी मानते हुए तीन माह के कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने आरोपी पर कुल पांच हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। दोनों धाराओं में दी गई सजा साथ-साथ चलेंगी। अभियोजन के अनुसार, 11 अप्रैल 2001 को पप्पू अपने मामा उमेश प्रसाद और मामी रेनू देवी के साथ बस संख्या वढ-14-ख-6919 से नोएडा से बहरामपुर लौट रहा था। हिंडन नदी के पास ग्रीन होटल के सामने तीनों बस से उतर रहे थे। उमेश और रेनू के उतरने के बाद पप्पू बस से नीचे उतर रहा था।

पहली तेज बारिश में फेल हुई सरकार! सड़कें बनीं तालाब, घंटों जाम में फंसे लोग

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 अगस्त।**

मानसून की पहली ही तेज बारिश ने दिल्ली सरकार और उसकी एजेंसियों के तमाम दावों की कलई खोल दी। जलभराव रोकने के लिए 169 हॉटस्पॉट पर विशेष इंतजामों के दावे किए गए थे, लेकिन कुछ घंटों की बारिश में ही राजधानी की सड़कें तालाब बन गईं और लोग घंटों ट्रैफिक जाम में फंसे रहे। संबंधित एजेंसियों के एड़ी-चोटी का जोर लगाने के बाद भी जलभराव के पुराने हाटस्पाट खत्म नहीं हो रहे हैं, बल्कि नए हाटस्पाट बनते जा रहे हैं। सदर बाजार का तेलीवाड़ा नए हाटस्पाट के रूप में सामने आया है, जहां तीन से चार फीट तक पानी भर गया। कनाट प्लेस के बाबा खड़ग सिंह मार्ग और इंनर सर्किल भी जलजमाव होने लगा है। पीडब्ल्यूडी, एमसीडी व एनडीएमसी ने अपनी-अपनी ओर से मानसून पूर्व जलभराव से निपटने की तैयारी की थी, लेकिन वर्षा होने पर इंतजाम और दावे दोनों बह जाते हैं।

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को बारिश के कारण दिल्ली के कई प्रमुख मार्गों पर लंबा ट्रैफिक जाम देखने को मिला। मेहरौली-बदरपुर रोड, आईटीओ, वजीराबाद रोड, पटेल रोड, रोहतक रोड, शंकर रोड, कीर्ति नगर, दिल्ली-जयपुर हाईवे, पीरागढ़ी और शाहीन बाग, रानी बाग समेत कई इलाकों में वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ गई। पूर्वी दिल्ली के जीटी रोड, जीटीबी एन्क्लेव और दिलशाद गार्डन में भी यातायात प्रभावित रहा। सोशल मीडिया पर लोगों ने दक्षिणपुरी, ओखला, संगम विहार, सैनिक फार्म्स और मेहरौली-बदरपुर रोड के कई हिस्सों में जलभराव की तस्वीरें और वीडियो साझा किए। आईएमडी के अनुसार, उत्तर भारत में एक साथ सक्रिय कई मौसम प्रणालियों के कारण यह भारी बारिश हो रही है।

भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी करते हुए विभाग ने कहा कि आने वाले समय में भी तेज बारिश जारी रह सकती है, जिससे निचले इलाकों में जलभराव, स्थानीय बाढ़ और ट्रैफिक बाधित होने की आशंका बनी रहेगी।

मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली में अधिकतम तापमान 31 से 33 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 22 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। इस दौरान 10 से 15 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से सतही हवाएं चल सकती हैं। आईएमडी ने लोगों से अपील की है कि भारी बारिश के दौरान यात्रा करते समय सतर्क रहें और जलभराव वाले इलाकों से बचने की कोशिश करें।

कांवड़ यात्रा : सुरक्षा और सुविधाओं के व्यापक इंतजाम; पुलिस, स्वास्थ्य और प्रशासन अलर्ट मोड पर

» **गौतमबुद्धनगर, यूटर्न/ 07 अगस्त।**

श्रावण कांवड़ यात्रा-2026 को सकुशल, सुरक्षित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए गौतमबुद्धनगर जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशों के तहत प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, नोएडा और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण, नगर निकाय, विद्युत विभाग, वन विभाग, लोक निर्माण विभाग सहित सभी संबंधित विभागों ने संयुक्त कार्ययोजना के तहत व्यापक इंतजाम किए हैं। प्रशासन का कहना है कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जिला प्रशासन के अनुसार 11 अगस्त को महाशिवरात्रि के अवसर पर बड़ी संख्या में कांवड़िए जनपद के विभिन्न शिवालयों में जलाभिषेक करेंगे। इसे देखते हुए प्रमुख शिव मंदिरों में विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। इनमें जेवर के ग्राम भाईपुर स्थित शिव मंदिर नानकेश्वर, सेक्टर-2 का शिव मंदिर, सेक्टर-19 स्थित सनातन धर्म मंदिर और सेक्टर-22 स्थित शिव मंदिर सहित अन्य प्रमुख शिवालय शामिल हैं। इन मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ को व्यवस्थित ढंग से संचालित करने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बल और प्रशासनिक अधिकारियों की तैनाती की गई है।

कांवड़ यात्रा के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस विभाग ने कांवड़ मार्गों पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था लागू की है। विभिन्न स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती के साथ पीआरवी वाहनों द्वारा लगातार गश्त की जा रही है। सीमावर्ती जनपदों और राज्यों के साथ समन्वय स्थापित कर यातायात डायवर्जन प्लान लागू किया गया है। जोनवार और थानावार पुलिस प्रबंधन के साथ प्रभावी संचार व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जा सके।

श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए नगर पालिका और नगर पंचायतों द्वारा कांवड़ मार्गों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। मार्गों पर नियमित सफाई, जलभराव की रोकथाम, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, शुद्ध पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। वहीं कांवड़ शिविरों में सीसीटीवी कैमरे, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, अस्थायी शौचालय, बैरिकेडिंग, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, प्राथमिक उपचार और स्वच्छ पेयजल जैसी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट ने धोखाधड़ी करने के आरोपी को अग्रिम जमानत देने से इनकार किया

नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 अगस्त। दिल्ली हाई कोर्ट ने एक ऐसे व्यक्ति को अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया है, जिस पर अधिकारियों से संवेदनशील और गोपनीय जानकारी हासिल करने का आरोप है। आरोपी बार-बार वरिष्ठ संवैधानिक और सरकारी अधिकारियों (सिविल सर्वेंट और पटना हाई कोर्ट के जज भी शामिल) के रूप में खुद को पेश करता था और गोपनीय जानकारी हासिल करता था। कोर्ट ने आरोपी को गिरफ्तार न कर पाने के लिए दिल्ली पुलिस से सवाल भी किया। जस्टिस गिरीश कथपालिया की सिंगल-जज बेंच ने मनोज कुमार झा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज करते हुए इस बात पर हैरानी जताई कि सुप्रीम कोर्ट समेत कई बार जमानत याचिकाएं खारिज होने के बावजूद दिल्ली पुलिस आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर पाई। कोर्ट ने आदेश की एक कॉपी संबंधित डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (डीसीपी) को 'जरूरी कार्रवाई' के लिए भेजने का निर्देश दिया। दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि आरोपी 'आदतन अपराधी' लगता है और कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा पहले अग्रिम जमानत देने से इनकार करने के बाद हालात में कोई बदलाव नहीं आया है। यह मामला 2024 में पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज एफआईआर से जुड़ा है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, आरोपी ने सिविल सर्वेंट बनकर कई वरिष्ठ अधिकारियों से संवेदनशील और गोपनीय जानकारी हासिल करने की कोशिश की थी। उन पर पटना हाई कोर्ट के जज होने का नाटक करने का भी आरोप था।

बदलाव जरूरी है - सीपीआई का जन सम्पर्क अभियान का शुभारंभ

» **पानीपत, यूटर्न/ 07 अगस्त।**

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की पानीपत जिला कौंसिल द्वारा 'बदलाव जरूरी है' जन सम्पर्क अभियान की शुरूआत स्थानीय कुटानी रोड़ पर एक सभा से की गई। सभा की अध्यक्षता जिला कौंसिल सदस्य कामरेड सन्नौवर राणा ने की और संचालन जिला सचिव कामरेड पवन सैनी ने किया।

सीपीआई की हरियाणा राज्य कार्यकारिणी के सदस्य कामरेड राम रतन एडवोकेट ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि देश में लगातार बढ़ती महंगाई ने आम जनता का जीवन कठिन बना दिया है। छोटे दुकानदार, व्यापारी, रेहड़ी-फड़ी चलाने वाले और मेहनतकश लोग घटते व्यापार और बढ़ती लागत के कारण भारी आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। वहीं लाखों-करोड़ों युवा बेरोजगारी की मार झेल रहे हैं और उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सेवाएं लगातार बदहाल होती जा रही हैं। किसानों को उनकी फसलों का उचित मूल्य नहीं मिल रहा, मजदूरों के अधिकारों पर लगातार हमले हो रहे हैं और सामाजिक न्याय कमजोर पड़ता जा रहा है दूसरी ओर जनता के टैक्स का लाखों-करोड़ों रुपये सरकारी प्रचार और प्रधानमंत्री तथा मुख्यमंत्रियों की रैलियों पर पानी की तरह बहाया जा रहा है। दलितों, आदिवासियों और महिलाओं पर अत्याचार की घटनाएं बढ़ रही हैं तथा भ्रष्टाचार और लूट का असर धार्मिक स्थलों तक भी दिखाई दे रहा है।

पार्टी के जिला सचिव कामरेड पवन सैनी एडवोकेट ने कहा कि भाजपा सरकार की इन्हीं जनविरोधी नीतियों के खिलाफ और जनता के अधिकारों की आवाज बुलंद करने के लिए भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने पूरे देश में 'बदलाव जरूरी है' जन सम्पर्क अभियान शुरू किया है। यह अभियान 6 अगस्त से 15 अगस्त तक पदयात्राओं, जनसभाओं और जनसंपर्क कार्यक्रमों के माध्यम से चलाया जा रहा है।

अभियान का समापन 1 सितम्बर को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित विशाल जनसभा के साथ होगा, जिसमें देशभर से लाखों लोग शामिल होंगे। कम्युनिस्ट नेताओं ने एक सितम्बर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली रैली में शामिल होने की अपील की। इस अवसर पर छात्र नेता जुनेद राणा, रुपेश सैनी, खेत मजदूर यूनियन के जिला सचिव कामरेड भूपेन्द्र कश्यप आदि ने भी विचार व्यक्त किये। सभा के बाद में कम्युनिस्ट कार्यकर्ताओं ने घर घर पर्चे बांट कर जनता से सीधा जन सम्पर्क किया।

सीपीआई नेताओं ने सेक्टर 25, 29 व फ्लोरा चौक, मोहल्ला गौस अली सेक्टर 11, नांगल खेड़ी, में भी इस अभियान के तहत नुक्कड़ मीटिंग की पार्टी के पर्चे बांटे।

श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत ने ओ.पी. जिंदल (बाऊजी) की जयंती श्रद्धा एवं सेवा भाव के साथ मनाई

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 07 अगस्त। श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत के पदाधिकारियों, सदस्यों एवं समाज के लोगों द्वारा स्वर्गीय ओ.पी. जिंदल (बाऊजी) की जयंती श्रद्धा एवं सेवा भाव के साथ मनाई गई। कार्यक्रमों की शुरूआत महाराजा अग्रसेन सीनियर पब्लिक स्कूल दबखेड़ी में स्व. ओम प्रकाश जिंदल के चित्र पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करने से हुई। इस अवसर पर जिंदल हाउस के प्रभारी धर्मवीर और बलविंदर ने कार्यक्रम में विशेष रूप से शिरकत की।

इसके उपरांत स्कूल में स्व. ओम प्रकाश जिंदल के व्यक्तित्व एवं जीवन पर आधारित पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने स्वर्गीय ओ.पी. जिंदल के सुंदर चित्र बनाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

अंतरराष्ट्रीय मंच पर चमका हिसार का नाम, डॉ. मेघा चावला सम्मानित

दंत चिकित्सा में उत्कृष्ट योगदान और आधुनिक उपचार के लिए मिला प्रतिष्ठित सम्मान

» **राजेश सलूजा**

हरियाणा, यूटर्न/ 07 अगस्त। दंत चिकित्सा के क्षेत्र में हिसार की डॉ. मेघा चावला ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर शहर का नाम रोशन किया है। श्री तिरुपति डेंटल क्लिनिक एंड इम्प्लांट सेंटर की संचालिका डॉ. मेघा चावला को इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ ओरल इम्प्लांटोलॉजिस्ट्स (यूएसए) की ओर से प्रतिष्ठित एफआईसीओआई (फेलोशिप ऑफ द इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ ओरल इम्प्लांटोलॉजिस्ट्स) सम्मान प्रदान किया गया है। यह उपलब्धि दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उनके समर्पण, विशेषज्ञता और आधुनिक उपचार पद्धतियों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

डॉ. मेघा चावला ने कहा कि यह सम्मान उनके लिए गौरव के साथ-साथ मरीजों को बेहतर दंत चिकित्सा सेवाएं देने की जिम्मेदारी भी बढ़ाता है। दंत चिकित्सा के क्षेत्र में लगातार नई तकनीकें और उपचार पद्धतियां विकसित हो रही हैं। ऐसे में चिकित्सकों के लिए अपने ज्ञान और कौशल को निरंतर बढ़ाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास है कि आधुनिक दंत चिकित्सा एवं दंत प्रत्यारोपण संबंधी सुविधाओं का लाभ हिसार और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को अपने शहर में ही उपलब्ध हो।

डॉ. मेघा चावला ने दंत स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पर जोर देते हुए कहा कि लोग अक्सर दांतों की समस्या को तब तक नजरअंदाज करते रहते हैं, जब तक दर्द या परेशानी गंभीर न हो जाए। दांतों में दर्द, मसूड़ों से खून आना, मुंह से दुर्गंध, संवेदनशीलता, दांतों का हिलना या चबाने में परेशानी जैसे लक्षणों को सामान्य मानकर टालना उचित नहीं है। शुरुआती अवस्था में समस्या की पहचान होने पर उपचार अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि दांतों की देखभाल में रात को सोने से पहले दांतों की अच्छी तरह सफाई करना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। दिनभर भोजन के बाद दांतों पर जमा खाद्य कण और जीवाणु साफ किए बिना सोने से दांतों एवं मसूड़ों की समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है।

सांसद नवीन जिन्दल की पहल पर वैज्ञानिक अन्न भंडारण से किसानों की बढ़ेगी आय:सुभाष सुधा

परमिंदर सिंह / कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 07 अगस्त। ओम प्रकाश जिंदल के जन्मदिन पर किसानों को वैज्ञानिक अन्न भंडारण के प्रति जागरूक करने के लिए नवीन जिंदल फाउंडेशन की ओर से पंचायत भवन सभागार में नवीन कृषि संकल्प अभियान के तहत अन्न भंडारण जागरूकता कार्यक्रम का दसवां सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय भंडारण निगम के अधिकारियों और विशेषज्ञों ने किसानों को सुरक्षित भंडारण, वेयर हाउस व्यवस्था और सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने बाऊजी ओम प्रकाश जिंदल को श्रद्धासुमन अर्पित कर किया। उन्होंने कहा कि बाऊजी के पदचिन्हों पर चलते हुए क्षेत्र के कल्याण के लिए सांसद नवीन जिंदल प्रयासरत हैं। आज देश का किसान उत्पादन के क्षेत्र में लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है, लेकिन फसल का वैज्ञानिक भंडारण आज भी बड़ी चुनौती बना हुआ है। ऐसे समय में सांसद नवीन जिंदल के मार्गदर्शन में शुरू किया गया नवीन कृषि संकल्प अभियान किसानों को नई सोच और आधुनिक तकनीक से जोड़ने का महत्वपूर्ण प्रयास है।

कांग्रेस पहले अपना कुनबा संभाले, फिर भाजपा के मंडल अध्यक्षों के सपने देखे : पीयूष मेहता

भाजपा ने कांग्रेस जिला अध्यक्ष के दावे पर किया पलटवार, छालनी की संज्ञा दी-

» **हरियाणा, यूटर्न/ 07 अगस्त।**

भाजपा के जिला प्रवक्ता पीयूष मेहता ने कांग्रेस को सलाह दी है कि वह पहले अपना कुनबा संभाले, फिर भाजपा मंडल अध्यक्षों की तरफ देखें। उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि छाज तो बोले सो बोले, छलनी भी क्या बोले जिसमें 70 छेद हों। भाजपा प्रवक्ता पीयूष महता जिला कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में कांग्रेस जिला अध्यक्ष के दावे पर प्रतिक्रिया जता रहे थे, जिसमें उन्होंने कहा कि भाजपा के 11 में से 8 मंडल अध्यक्ष उनके संपर्क में थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं को भाजपा पर बयानबाजी करने से पहले अपनी पार्टी की वास्तविक स्थिति पर नजर डालनी चाहिए। यदि कांग्रेस वास्तव में मजबूत संगठन होने का दावा करती है, तो पहले हिसार के ग्रामीण और शहरी जिला अध्यक्षों को एक मंच पर लाकर अपनी एकजुटता साबित करे। जिस पार्टी के नेता ही अलग-अलग खेमों में बंटे दिखाई देते हों, उसे भाजपा के संगठन पर सवाल उठाने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस मंडल अध्यक्षों की बात तो छोड़िए, यदि भाजपा के किसी सामान्य कार्यकर्ता को भी अपने साथ जोड़कर दिखा दे तो यह उसके लिए बड़ी उपलब्धि होगी। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता पार्टी की विचारधारा, नीतियों और संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य कर रहा है तथा हर परिस्थिति में पार्टी के साथ मजबूती से खड़ा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में कार्यकर्ताओं से अधिक नेताओं की भरमार है, जबकि भाजपा की कार्यसंस्कृति में हर नेता स्वयं को पहले कार्यकर्ता मानता है। यही भाजपा की सबसे बड़ी संगठनात्मक ताकत है।

पीयूष महता ने कहा कि हिसार की जनता कांग्रेस की अंदरूनी गुटबाजी, आपसी खींचतान और नेतृत्व संघर्ष से भली-भांति परिचित है। ऐसे में भाजपा के संगठन को लेकर किए जा रहे दावे केवल राजनीतिक चर्चा में बने रहने और मीडिया की सुर्खियां बटोरने की एक असफल कोशिश हैं उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं को भाजपा पर निराधार और काल्पनिक बयान देने के बजाय अपनी पार्टी की अंदरूनी कलह समाप्त करने पर ध्यान देना चाहिए। भाजपा का संगठन पूरी तरह अनुशासित, सशक्त और कार्यकर्ता-आधारित है। कांग्रेस की ओर से लगाए जा रहे इस प्रकार के आरोप उसकी राजनीतिक निराशा और हताशा का परिचायक हैं।

धर्म शिक्षा कार्यशाला में विद्यार्थियों को मिले आदर्श जीवन के , संस्कार

» **निर्मल सिंह विर्क**

पानीपत, यूटर्न/ 07 अगस्त। एस. डी. सीनियर सेकेंडरी स्कूल, पानीपत में आज धर्म शिक्षा कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता आचार्य वेद प्रकाश जी ने विद्यार्थियों को विद्यार्थी जीवन के कर्तव्यों, नैतिक मूल्यों, अनुशासन, चरित्र निर्माण तथा भारतीय संस्कृति के महत्व पर प्रेरणादायक उद्बोधन दिया।

आचार्य वेद प्रकाश जी ने कहा कि विद्यार्थी जीवन संपूर्ण जीवन की आधारशिला है। इस अवस्था में विद्यार्थियों का प्रथम कर्तव्य नियमित अध्ययन, समय का सदुपयोग, गुरुजनों एवं अभिभावकों का सम्मान, सत्य, अनुशासन एवं सदाचार का पालन करना है। उन्होंने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति एवं सनातन मूल्यों को अपनाते हुए एक आदर्श नागरिक बनने का संदेश दिया। साथ ही उन्होंने मोबाइल एवं अन्य अनावश्यक आकर्षणों से दूर रहकर अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहने की प्रेरणा दी।

विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. रेखा शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि उत्तम स्वास्थ्य ही उज्ज्वल भविष्य की नींव है। विद्यार्थियों को पौष्टिक एवं संतुलित भोजन ग्रहण करना चाहिए, जंक फूड से बचना चाहिए तथा नियमित व्यायाम एवं योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर, स्वस्थ मन और श्रेष्ठ संस्कार ही एक सफल विद्यार्थी की पहचान हैं।

कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह एवं ध्यानपूर्वक सभी विचारों को सुना तथा उन्हें अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। विद्यालय परिवार ने आचार्य वेद प्रकाश जी का हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की धर्म शिक्षा कार्यशालाएँ विद्यार्थियों के नैतिक, सांस्कृतिक एवं सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

कृषि विज्ञान केंद्र उझा में 30वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक आयोजित

» **निर्मल सिंह विर्क**

पानीपत, यूटर्न/ 07 अगस्त। अगस्त चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कृषि विज्ञान केंद्र, उझा, पानीपत में 30वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक के मुख्य अतिथि डॉ. नरेश कुमार कौशिक, निदेशक प्रसार शिक्षा, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार रहे। बैठक में कृषि, बागवानी एवं कृषि अनुसंधान से जुड़े वैज्ञानिकों, अधिकारियों तथा समिति के सदस्यों ने भाग लिया।

बैठक के प्रारंभ में कृषि विज्ञान केंद्र के समन्वयक डॉ. सतपाल सिंह ने मुख्य अतिथि एवं समिति के सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने 29वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक की कार्यवाही एवं की गई कार्रवाई की रिपोर्ट, वर्ष 2025-26 की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट तथा वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना प्रस्तुत की। उन्होंने केंद्र द्वारा किसानों के लिए आयोजित प्रशिक्षण, ऑन-फार्म परीक्षण, अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन, व्यावसायिक प्रशिक्षण तथा विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति से समिति को अवगत कराया।

मुख्य अतिथि डॉ. नरेश कुमार कौशिक ने कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा जिले में किए जा रहे विभिन्न प्रसार कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि अब केवल कार्यक्रमों की संख्या बढ़ाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि इन गतिविधियों का वास्तविक प्रभाव किसानों तक कितना पहुंचा है, इसका वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित प्रभाव मूल्यांकन किया जाना आवश्यक है।

उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र को प्रत्येक प्रमुख परियोजना एवं कार्यक्रम के परिणामों को मापने तथा किसानों के जीवन एवं कृषि व्यवस्था में आए बदलावों का दस्तावेजीकरण करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने विशेष रूप से फसल अवशेष प्रबंधन, व्यावसायिक प्रशिक्षण, अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन, ऑन-फार्म परीक्षण, जल संरक्षण एवं संसाधन संरक्षण तकनीकों के प्रभाव का अध्ययन करने की आवश्यकता बताई।

उन्होंने कहा कि फसल अवशेष प्रबंधन कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों में पराली जलाने के प्रति जागरूकता, अवशेषों का उचित प्रबंधन तथा आधुनिक मशीनरी के उपयोग में हुए बदलावों का आकलन किया जाना चाहिए। साथ ही यह भी देखा जाए कि इन तकनीकों से किसानों की लागत, समय, मिट्टी के स्वास्थ्य तथा आय पर क्या प्रभाव पड़ा है।

अनुशासन और परिश्रम ही सफलता की कुंजी - ब्रिगेडियर राम नरेश ने कैडेट्स को किया प्रेरित

» **हरियाणा, यूटर्न/ 07 अगस्त।**

एनसीसी ग्रुप रोहतक के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर राम नरेश ने थर्ड हरियाणा गर्ल्स बटालियन एनसीसी, हिसार तथा इसके अधीनस्थ विद्या देवी जिंदल स्कूल, कैंट का दौरा कर एनसीसी गतिविधियों का निरीक्षण किया। उनके आगमन पर एनसीसी कैडेट्स एवं विद्यालय प्रशासन ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

इस अवसर पर कैडेट्स एवं विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए ब्रिगेडियर राम नरेश ने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए अनुशासन, ईमानदारी और कठोर परिश्रम सबसे महत्वपूर्ण आधार हैं। उन्होंने अपने सैन्य जीवन के अनुभव साझा करते हुए कैडेट्स को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने, नेतृत्व क्षमता विकसित करने तथा सदैव सकारात्मक कार्यों के लिए आगे बढ़ने का आ'ान किया। उनके प्रेरणादायी विचारों से छात्र-छात्राओं, कैडेट्स एवं विद्यालय स्टाफ में नया उत्साह देखने को मिला।

इसके उपरांत ब्रिगेडियर राम नरेश ने गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (जीजेयू), हिसार का दौरा कर कुलपति के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक के दौरान उन्होंने एनसीसी से जुड़ने के लाभों पर विस्तार से चर्चा की तथा विश्वविद्यालय परिसर में अधिकाधिक एनसीसी गतिविधियों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं जागरूकता अभियानों के आयोजन पर बल दिया, ताकि अधिक से अधिक युवा राष्ट्रसेवा के इस अभियान से जुड़ सकें। कुलपति ने इस पहल की सराहना करते हुए विश्वविद्यालय की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

दौरे के अंतिम चरण में ब्रिगेडियर राम नरेश ने थर्ड हरियाणा गर्ल्स बटालियन एनसीसी के कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आत्मीयता से मुलाकात कर उनके कार्यों की समीक्षा की तथा स्वास्थ्य एवं कुशलक्षेम की जानकारी ली। उन्होंने स्टाफ के समर्पण, अनुशासन और उत्कृष्ट कार्यशैली की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

ब्रिगेडियर राम नरेश का यह प्रेरणादायी दौरा कैडेट्स, विद्यार्थियों एवं एनसीसी स्टाफ के लिए अत्यंत उत्साहवर्धक रहा। उनके मार्गदर्शन से न केवल कैडेट्स का मनोबल बढ़ा, बल्कि क्षेत्र में एनसीसी के प्रति जागरूकता, अनुशासन और राष्ट्रसेवा की भावना को भी नई दिशा मिली।

कांग्रेस की अंदरूनी कलह से एक मौका बना है। क्या पंजाब में BJP इसका फायदा उठा पाएगी?

संदीप शर्मा

पंजाब की राजनीति कभी भी एक जैसी नहीं रही है। आम आदमी पार्टी (अअढ) सत्ता में है, शिरोमणि अकाली दल (SAD) कई सालों की गिरावट के बाद वापसी की कोशिश कर रहा है, और कांग्रेस–काफी वोट बेस होने के बावजूद–एक बार फिर अंदरूनी कलह से जूझ रही है। ऐसे में एक अहम सवाल उठता है: क्या भारतीय जनता पार्टी (BJP)–जो पंजाब में हमेशा से कमजोर रही है–कांग्रेस की गुटबाजी का फायदा उठाकर 2027 के विधानसभा चुनावों में जीत हासिल कर पाएगी? लुधियाना में विरोध कर रहे कुछ कांग्रेसी नेताओं पर अमरिंदर सिंह राजा वडिंग की 'RSS एजेंट' वाली टिप्पणी कुछ ऐसी बात की ओर इशारा करती है जो शायद उन्हें पता है या वे भांप सकते हैं, लेकिन दूसरों को नहीं पता। कांग्रेस के भीतर विरोध का मुख्य चेहरा चन्नी हैं, लेकिन असल में जो लोग पैनी नजर रखे हुए हैं, वे प्रताप सिंह बाजवा और सुखजिंदर सिंह रंधावा हैं; इसलिए कांग्रेस के भीतर का विरोध काफी हद तक साफ नहीं है। पंजाब में कांग्रेस लंबे समय से नेतृत्व की आपसी खींचतान के लिए जानी जाती रही है। संगठन पर नियंत्रण, उम्मीदवार चुनने और राजनीतिक रणनीति को लेकर राज्य के नेताओं के बीच मतभेद समय-समय पर विरोधियों के खिलाफ पार्टी के अभियान पर हावी रहे हैं। जब भी कांग्रेस बंटी हुई दिखती है, तो मौजूदा सरकार के मुख्य चुनौती देने वाले के तौर पर खुद को पेश करने की उसकी क्षमता कमजोर हो जाती है। विपक्ष के बंटे होने से अक्सर प्रतिस्पर्धियों को उन वोटरों को अपने पाले में करने का मौका मिल जाता है जिन्होंने अभी तक कोई फैसला नहीं किया है। BJP के लिए ये घटनाक्रम एक मौका तो हैं–लेकिन सफलता की गारंटी नहीं। BJP का पहला मकसद शायद खुद को AAP सरकार और बंटी हुई कांग्रेस, दोनों के एक स्थिर विकल्प के तौर पर पेश करना होगा। 2020 में कृषि कानूनों को लेकर शिरोमणि अकाली दल से अलग होने के बाद से, BJP ने अपने संगठन को स्वतंत्र रूप से फिर से खड़ा करने की कोशिश की है। उसने कांग्रेस, अकाली दल और दूसरी पार्टियों के कई प्रभावशाली नेताओं को शामिल किया है और साथ ही ग्रामीण पंजाब में अपनी मौजूदगी बढ़ाई है। हालाँकि इन कोशिशों से अभी तक कोई बड़ी चुनावी जीत तो नहीं मिली है, लेकिन पार्टी का संगठनात्मक आधार जरूर मजबूत हुआ है। कांग्रेस की अंदरूनी कलह BJP को नाराज नेताओं और स्थानीय कार्यकर्ताओं को अपनी ओर खींचने में और मदद कर सकती है। पंजाब की राजनीति में पारंपरिक रूप से देखा गया है कि जब नेताओं को संगठन में जगह या चुनावी टिकट नहीं मिलता, तो वे पार्टियां बदल लेते हैं। अगर कांग्रेस अपने अंदरूनी मतभेदों को सुलझाने में नाकाम रहती है, तो इखढ उन महत्वाकांक्षी नेताओं के लिए पसंदीदा विकल्प बन सकती है जो राष्ट्रीय मंच और पार्टी के संगठनात्मक संसाधनों तक पहुँच चाहते हैं। हालाँकि, सिर्फ.संगठनात्मक फायदे ही काफी नहीं हो सकते। पंजाब BJP के लिए सबसे मुश्किल राज्यों में से एक बना हुआ है। पार्टी को अभी भी किसान आंदोलन के राजनीतिक असर का सामना करना पड़ रहा है, खासकर ग्रामीण इलाकों में, जो विधानसभा चुनावों के नतीजों को तय करते हैं। हालाँकि इखढ ने संपर्क कार्यक्रमों और नीतिगत पहलों के जरिए किसानों के साथ रिश्ते सुधारने की कोशिश की है, लेकिन खेती-किसानी से जुड़े समुदाय के कुछ हिस्सों में अभी भी शक बना हुआ है। जब तक पार्टी गाँवों में अपनी स्वीकार्यता को काफी हद तक नहीं बढ़ाती, तब तक सिर्फ.कांग्रेस की अंदरूनी कलह से कोई बड़ी चुनावी कामयाबी मिलने की संभावना कम है। लेकिन अगले कुछ दिनों में कांग्रेस में चल रही असहमति और उस पर BJP की प्रतिक्रिया पर नजर रखें।

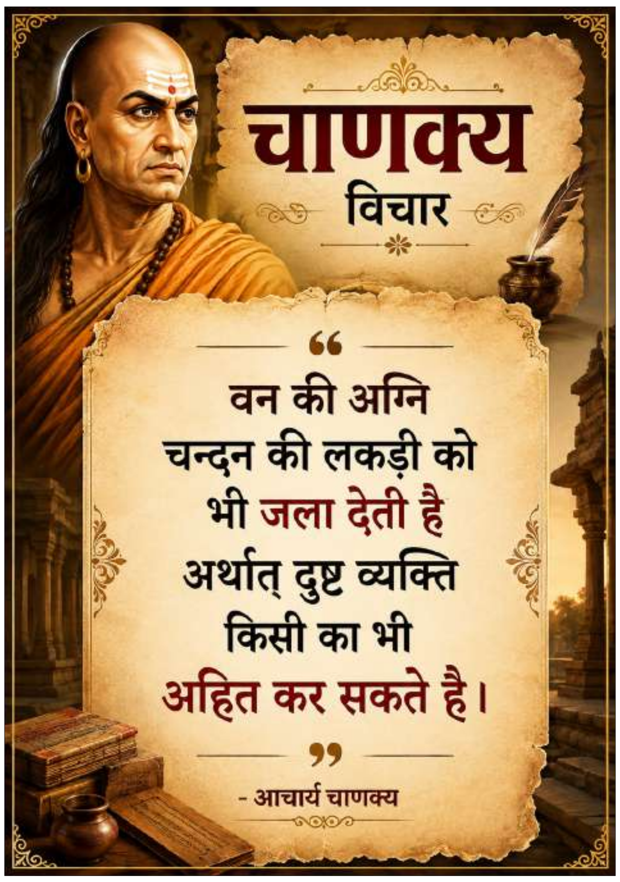

चिंताजनक है दुनिया में अनाथ बच्चों की संतप्त दुर्दशा

यूनिसेफ के मुताबिक, दुनिया के लगभग एक चौथाई बच्चे संघर्ष या आपदाग्रस्त देशों में रहते हैं। माता-पिता को खोने वाले बच्चे की दुर्दशा केवल एक दिन तक सीमित नहीं रह सकती, लेकिन जब युद्ध आम बात हो जाती है, तो उत्पीड़ितों की पीड़ा पीछे छूट जाती है।यूनिसेफ के अनुसार, अनाथ वह बच्चा है जिसकी आयु 18 वर्ष से कम है और जिसने अपने एक या दोनों माता-पिता को खो दिया है। युद्ध जैसी दुखद घटनाओं में अपने माता-पिता को खोने वाले बच्चों को अक्सर किसी जीवित परिवार के सदस्य के साथ रहना पड़ता है या उन्हें पालन-पोषण प्रणाली में जाना पड़ता है, जहां उन्हें कुपोषण और बीमारी जैसी खराब रहने की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है।

मनोज कुमार अग्रवाल

विश्वभर में कुल अनाथ बच्चों की संख्या लगभग 14 करोड़ से 14.7 करोड़ के बीच अनुमानित है। इनमें से युद्ध, सशस्त्र संघर्ष और आपदाओं की वजह से अनाथ या प्रभावित हुए बच्चों की संख्या भी लगभग 14 करोड़ के करीब आंकी जाती है, क्योंकि कई वैश्विक संगठन युद्ध और आपदाओं से पीड़ित अनाथों को कुल आंकड़ों का एक बड़ा हिस्सा मानते हैं। दुनिया भर में लगभग 14 करोड़ से अधिक बच्चे अनाथ हैं इनमें माता या पिता दोनों में से किसी एक या दोनों को खोने वाले बच्चे शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र और विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार, दुनिया के संघर्ष-प्रभावित क्षेत्रों में करोड़ों बच्चे रहते हैं। अकेले युद्ध या आपदाओं के कारण संकट झेलने वाले और माता-पिता को खोने वाले बच्चों का आंकड़ा 14 करोड़ के आसपास है।एशिया में लगभग 6.1 करोड़ अफ़्रीका में लगभग 5.2 करोड़ लैटिन अमेरिका और कैरिबियन में लगभग 1 करोड़पूर्वी यूरोप और मध्य एशिया में लगभग 73 लाख है। आपको बता दें कि भारत में अनाथ बच्चों का संकट भी भयावह है। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) के अनुसार, भारत में 29.6 मिलियन से अधिक बच्चे सड़कों पर जीवन यापन कर रहे हैं। अनाथालय परित्यक्त बच्चों से भरे पड़े हैं और लाखों बच्चे सड़कों पर भटकते हुए किसी तरह अपना जीवन यापन कर रहे हैं। भारत में अनुमानित रूप से लगभग 2.5 से 3 करोड़ अनाथ और बेसहारा बच्चे हैं। इन बच्चों के अनाथ होने और परिवारों से बिछड़ने के मुख्य कारणों में अत्यधिक गरीबी, माता-पिता की

असामयिक मृत्यु गंभीर बीमारियां या महामारी, घरेलू कलह, माता-पिता का अलगाव तलाक और बच्चों को लावारिस छोड़ देना शामिल है।मुख्य वजहेंगंभीर गरीबीः संसाधनों की कमी और आर्थिक तंगी के कारण कई परिवार बच्चों का पालन-पोषण करने में असमर्थ हो जाते हैं। एचआईवी/एड्स, कोविड-19 जैसी महामारियों और अन्य घातक बीमारियों के कारण कम उम्र में माता-पिता का निधन।वहीं सामाजिक दबाव, अनचाही संतान या गरीबी के चलते कई नवजात शिशुओं को सड़कों या कचरे के डिब्बों में छोड़ दिया जाता है। घरेलू हिंसा, माता-पिता का तलाक या आपसी विवाद के कारण भी बच्चे अनाथ जीवन भोगने के लिए मजबूर हो जाते हैं ।

दुनिया भर में लाखों बच्चे संघर्ष, जलवायु परिवर्तन, विस्थापन और गरीबी के विनाशकारी प्रभावों को झेलते हैं, जिससे उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए बुनियादी अधिकारों और अवसरों से वंचित होना पड़ता है।

यूनिसेफ के मुताबिक, दुनिया के लगभग एक चौथाई बच्चे संघर्ष या आपदाग्रस्त देशों में रहते हैं। माता-पिता को खोने वाले बच्चे की दुर्दशा केवल एक दिन तक सीमित नहीं रह सकती, लेकिन जब युद्ध आम बात हो जाती है, तो उत्पीड़ितों की पीड़ा पीछे छूट जाती है।यूनिसेफ के अनुसार, अनाथ वह बच्चा है जिसकी आयु 18 वर्ष से कम है और जिसने अपने एक या दोनों माता-पिता को खो दिया है। युद्ध जैसी दुखद घटनाओं में अपने माता-पिता को खोने वाले बच्चों को अक्सर किसी जीवित परिवार के सदस्य के साथ रहना पड़ता है या उन्हें पालन-पोषण प्रणाली में जाना पड़ता है, जहां उन्हें कुपोषण और बीमारी जैसी खराब रहने की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। वे जिस भावनात्मक और मानसिक तनाव का अनुभव करते हैं, वह उन्हें बहुत परेशान करता है।

यूनिसेफ के मुताबिक, वर्तमान में 46 करोड़ से अधिक बच्चे सूडान, यूक्रेन, म्यांमार, फिलिस्तीन जैसे देशों में संघर्ष क्षेत्रों में रह रहे हैं या वहां से भाग रहे हैं। इन बच्चों को न केवल शारीरिक खतरों का सामना करना पड़ता है, बल्कि अपने परिवारों को खोने के भावनात्मक आघात का भी सामना करना पड़ता है।

यूनिसेफ की रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 14 करोड़ से अधिक बच्चे अनाथ हैं, जिनमें से 5.2 करोड़ अफ्रीका में, एक करोड़ कैरिबियन और लैटिन अमेरिका में, 6.1 करोड़ एशिया में और 73 लाख मध्य एशिया और पूर्वी यूरोप में हैं।

ऊर्जा आत्मनिर्भरता का स्वर्णिम अध्याय का आगाज

विनोद सिंह तकियावाला

ऊर्जा किसी भी राष्ट्र की आर्थिक प्रगति, औद्योगिक विकास और सामाजिक समृद्धि की आधारशिला होती है। इक्कीसवीं सदी में ऊर्जा सुरक्षा का अर्थ केवल बिजली उत्पादन या पेट्रोलियम संसाधनों तक सीमित नहीं रह गया है,बल्कि स्वच्छ ऊर्जा, तकनीकी आत्मनिर्भरता, घरेलू विनिर्माण,ऊर्जा भंडारण और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ गया है।भारत ने पिछले कुछ वर्षों में जिस गति से नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है,उसने यह स्पष्ट कर दिया है कि देश केवल ऊर्जा उपभोक्ता नहीं,बल्कि वैश्विक हरित ऊर्जा परिवर्तन का नेतृत्व करने की क्षमता रखता है।नई दिल्ली में आयोजित ऊर्जा सम्मेलन में केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्र'ाद जोशी द्वारा साझा किए गए आँकड़े इस परिवर्तन की सशक्त तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत अब तक 50 लाख परिवारों को लाभ मिल चुका है। यह उपलब्धि केवल एक सरकारी योजना की सफलता नहीं,बल्कि भारत के ऊर्जा इतिहास में जनभागीदारी पर आधारित एक नई क्रांति का संकेत है।सबसे उल्लेखनीय तथ्य यह है कि अक्टूबर 2025 तक जहाँ देश में प्रतिदिन लगभग 5,000 रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा रहे थे, वहीं जुलाई 2026 तक यह संख्या बढ़कर 16,000 से अधिक प्रतिदिन पहुँच गई। अर्थात मात्र कुछ महीनों में स्थापना की गति तीन गुना से अधिक हो गई।यह आँकड़ा बताता है कि स्वच्छ ऊर्जा अब केवल

सरकारी कार्यक्रम नहीं रही,बल्कि करोड़ों भारतीय परिवारों का जनआंदोलन बन चुकी है।प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का उद्देश्य केवल बिजली बिल कम करना नहीं है। यह योजना प्रत्येक परिवार को ऊर्जा उत्पादक बनाने की दिशा में एक अभिनव पहल है। घरों की छतों पर स्थापित सौर संयंत्र दिन के समय बिजली उत्पन्न करते हैं। आवश्यकता से अधिक बिजली ग्रिड में भेजी जा सकती है,जिससे उपभोक्ता आर्थिक लाभ भी अर्जित कर सकते हैं।इससे बिजली वितरण कंपनियों पर दबाव कम होता है तथा देश में विकेंद्रीकृत ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा मिलता है।भारत आज लगभग 300 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित स्थापित विद्युत क्षमता के ऐतिहासिक पड़ाव के निकट पहुँच चुका है। सरकार ने वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता विकसित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। यह लक्ष्य केवल जलवायु परिवर्तन से जुड़े अंतरराष्ट्रीय दायित्वों की पूर्ति भर नहीं है, बल्कि ऊर्जा आयात पर निर्भरता कम करने, कार्बन उत्सर्जन घटाने और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का भी आधार है।स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में भारत की सफलता के पीछे अनेक दूरदर्शी नीतिगत निर्णय हैं। सरकार ने उच्च दक्षता वाले सौर पीवी मॉड्यूल के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (ढछक) योजना लागू की है, जिससे घरेलू विनिर्माण को नई गति मिली है। इसके अतिरिक्त ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर कार्यक्रम के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा को राष्ट्रीय ग्रिड से जोड़ने की क्षमता बढ़ाई जा रही है। नवीकरणीय ऊर्जा उपकरणों और घटकों पर कर राहत,बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (इएरर) के लिए लिथियम-आयन सेल निर्माण हेतु पूंजीगत वस्तुओं पर सीमा शुल्क में छूट तथा फील्लीÇ्ु ी एल्ली१८ ए०४स्त्रील्ल३ केस्त्रङ्क१३ टङ्कल्ल३ङ्क१ल्लॅ र८२३ी जैसी पहलों ने उद्योग को नई ऊर्जा प्रदान की है।

आज भारत विश्व के उन चुनिंदा देशों में शामिल है जो सौर ऊर्जा विनिर्माण को रणनीतिक क्षेत्र के रूप में विकसित कर रहे हैं। सरकार का उद्देश्य केवल सौर पैनल आयात करना नहीं, बल्कि उन्हें देश में ही निर्मित कर वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाना है।

इससे विदेशी मुद्रा की बचत होगी,रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा भारत वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला का महत्वपूर्ण केंद्र बन सकेगा।केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री श्री एच. डी. कुमारस्वामी ने अपने संबोधन में सही कहा कि भविष्य की ऊर्जा सुरक्षा केवल प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता से तय नहीं होगी.

एसबीआई का मुनाफा पहली तिमाही में करीब 10 प्रतिशत बढ़कर 21,121.22 करोड़ रुपए रहा, एनपीए घटा

» **मुंबई, यूटर्न/ 07 अगस्त ।**

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने शुक्रवार को वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही के नतीजे जारी किए। बैंक का शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 10.23 प्रतिशत बढ़कर 21,121.22 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में 19,160.44 करोड़ रुपए था। वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में बैंक की ब्याज से आय सालाना आधार पर 8.5 प्रतिशत बढ़कर 1,27,896.46 करोड़ रुपए हो गई है, जो कि वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में 1,17,830.28 करोड़ रुपए थी। अन्य आय को मिलाकर वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में एसबीआई की कुल आय सालाना आधार पर 6.2 प्रतिशत बढ़कर 1,43,819.15 करोड़ रुपए हो गई है, जो कि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 1,35,341.56 करोड़ रुपए थी। इस दौरान बैंक के कुल खर्च में भी बढ़ोतरी देखी गई है। वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में एसबीआई का कुल खर्च सालाना आधार पर 5.2 प्रतिशत बढ़कर 1,10,289.97 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 1,04,797.09 करोड़ रुपए था।

वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में एसबीआई की नेटवर्थ 87,135.98 करोड़ रुपए बढ़कर 4,95,244.32 करोड़ रुपए हो गई है, जो कि पिछली तिमाही में 4,08,108.34 करोड़ रुपए थी। परिचालन के मोर्च पर बैंक का प्रदर्शन शानदार रहा है। एसबीआई का वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में ग्रॉस एनपीए, वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही के 1.83 प्रतिशत से घटकर 1.47 प्रतिशत पर आ गया है।

वहीं, इस दौरान नेट एनपीएस 0.47 प्रतिशत से घटकर 0.38 प्रतिशत पर आ गया है। इसके अतिरिक्त, वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में बैंक का डेट-टू-इक्विटी रेश्यो 0.54 रहा है, जो कि वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में 0.65 पर था। नतीजों के बाद एसबीआई के शेयर में तेजी देखने को मिली है। दोपहर 2:30 बजे यह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर यह 3.15 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,119 रुपए पर था।

जेफेरीज के क्रिस वुड का भारत पर भरोसा बरकरार, पोर्टफोलियो में बड़े बदलाव

नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 अगस्त । जेफेरीज के ग्लोबल हेड ऑफ इक्विटी स्ट्रैटेजी क्रिस वुड का भारतीय शेयर बाजार पर भरोसा बरकरार है। एक साप्ताहिक रिपोर्ट ग्रीड एंड फीयर के अनुसार जुलाई में विदेशी निवेशकों ने 2.45 अरब डॉलर का शुद्ध निवेश किया। इसी सकारात्मक रुझान के बीच वुड ने अपने इंडिया लांग आनली पोर्टपोलियो में अहम बदलाव किए हैं। क्रिस वुड ने अपने पोर्टफोलियो से एचडीएफसी बैंक और पीबी फिनटेक को हटाकर उनकी जगह एमसीएक्स और लैंसकार्ट साल्यूसंस को शामिल किया है। इसके अलावा आरईसी लिमिटेड की जगह बजाज फायनेंस को जोड़ा गया है, जबकि इटरनल में निवेश बढ़ाने के लिए भारतीय एयरटेल में हिस्सेदारी घटाई गई है। वुड का मानना है कि भारत की घरेलू अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत हो रही है। उन्होंने बताया कि 15 जुलाई तक बैंक क्रेडिट ग्रोथ 17-18 प्रतिशत सालाना हो गई है, जो पिछले दस वर्षों में सबसे तेज बढ़ोतरी है। कॉरपोरेट लोन में करीब 20 प्रतिशत, कृषि क्षेत्र में 17 प्रतिशत और रिटेल लोन में 16 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। देश में ऑटोमोबाइल और रियल एस्टेट की मांग भी मजबूत बनी हुई है। क्रिस वुड का मानना है कि मजबूत घरेलू मांग और तेज क्रेडिट ग्रोथ भारतीय अर्थव्यवस्था को आगे सहारा देगी, जिससे शेयर बाजार के लिए माहौल सकारात्मक बना रहेगा। उन्होंने आरबीआई और सरकार के हालिया कदमों से आने वाले महीनों में भारतीय रुपये के स्थिर होने की भी उम्मीद जताई है।

संक्षिप्त खबरें

आरबीआई का निर्देश: कर्ज वसूली के नाम पर ग्राहक के गैजेट्स बंद नहीं कर सकेंगे बैंक

नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 अगस्त । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कर्ज वसूली से जुड़े एक महत्वपूर्ण निर्देश में बैंकों को ग्राहकों के मोबाइल फोन, टैबलेट या लैपटॉप को निष्क्रिय करने पर रोक लगा दी है। यह फैसला 1 जनवरी 2027 से लागू होगा और इसका उद्देश्य कर्जदारों को उत्पीड़न से बचाना है। केंद्रीय बैंक ने स्पष्ट किया कि व्यक्तिगत, वाहन या आवास ऋण जैसे कर्ज न लौटाने पर बैंक अब ग्राहकों के इन उपकरणों को बंद या उनकी कार्यक्षमता सीमित नहीं कर पाएंगे। हालांकि, यदि किसी बैंक ने विशेष रूप से किसी उपकरण की खरीद के लिए ही कर्ज दिया है, तो वह चरणबद्ध तरीके से कार्रवाई कर सकता है, लेकिन इसमें भी आपातकालीन सुविधाएं जैसे इनकमिंग कॉल, एसएमएस और एसओएस सेवाएं किसी भी स्थिति में बंद नहीं की जा सकेंगी।

मुंबई में लग्जरी घरों की बिक्री 18,500 करोड़ के पार, बनाया नया रिकॉर्ड

मुंबई, यूटर्न/ 07 अगस्त । देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के लग्जरी हाउसिंग बाजार ने 2026 की पहली छमाही में 18,512 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की है। एक रिपोर्ट के अनुसार 10 करोड़ और उससे अधिक कीमत वाले घरों की यह बिक्री एक ऐतिहासिक अर्धवार्षिक आंकड़ा है। इस अवधि में कुल 957 लग्जरी घरों की बिक्री हुई, जो पिछले वर्ष से 26 प्रतिशत अधिक है। रिपोर्ट बताती है कि 20 करोड़ से 40 करोड़ रुपए की कीमत वाले घरों की मांग में सबसे अधिक तेजी देखी गई, जिनकी बिक्री एच1 सीवाय23 के 66 यूनिट से बढ़कर एच1 सीवाय26 में 156 यूनिट हो गई। वर्ली सबसे मजबूत प्रदर्शन करने वाला इलाका रहा, जहां लेनदेन मूल्य 79 फीसदी बढ़कर 4,493 करोड़ रुपए हो गया और घरों की बिक्री 4.5 गुना बढ़ी।

अकासा एयर ने लॉन्च किया एलीवेट लॉयल्टी कार्यक्रम

नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 अगस्त । अपनी सफल उड़ान के दो वर्ष पूरे होने के अवसर पर एयरलाइन कंपनी अकासा एयर ने शुक्रवार को अपना नया लॉयल्टी कार्यक्रम 'अकासा एलीवेट' लॉन्च किया है। इस पहल का उद्देश्य यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव, व्यक्तिगत पहचान और विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराना है, साथ ही उनकी निष्ठा के प्रति आभार व्यक्त करना है। एयरलाइन ने 7 अगस्त, 2022 को उड़ान परिचालन शुरू किया था। कंपनी के एक अधिकारी ने अब तक के सफर को बेहद रोमांचक बताया।

व्हाट्सएप मैलवेयर हमले से 10,000 से अधिक भारतीयों को बचाया गया: सरकार

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 अगस्त ।**

केंद्र सरकार ने शुक्रवार को बताया कि भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) की समन्वित कार्रवाई के जरिए व्हाट्सऐप अकाउंट हैक करने वाले एक बड़े मैलवेयर अभियान से 10,000 से अधिक भारतीयों को सुरक्षित बचाया गया है। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने कहा कि सहयोग पोर्टल के माध्यम से कमांड एंड कंट्रोल (सी2) सर्वरों को जियो-ब्लॉक करने सहित कई कदम उठाए गए, जिससे इस साइबर हमले के प्रभाव को रोका जा सका।

गृह मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर हाल के दिनों में व्हाट्सऐप अकाउंट टेकओवर से जुड़ी शिकायतों में तेज वृद्धि दर्ज की गई है। ये हमले ऐसे मैलवेयर के जरिए किए जा रहे हैं, जिन्हें अकाउंट स्टेटमेंट या किसी सरकारी नियामक संस्था के आधिकारिक दस्तावेज के रूप में छिपाकर भेजा जाता है।

मंत्रालय ने कहा, 'इन समन्वित प्रयासों के माध्यम से अब तक 10,000 से अधिक भारतीयों को इस साइबर अभियान से सुरक्षित किया गया है। सहयोग पोर्टल के जरिए मैलवेयर से जुड़े सर्वरों को लगातार ब्लॉक किया जा रहा है।'

गृह मंत्रालय के मुताबिक, इस तरह की घटनाएं दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र और राजस्थान समेत कई राज्यों में सामने आई हैं। आई4सी ने इससे पहले 22 जून को भी एक एडवाइजरी जारी कर लोगों को ऐसे साइबर हमलों के प्रति सतर्क किया था, जिनमें सरकारी या नियामक अधिकारियों का रूप धारण कर व्हाट्सऐप अकाउंट पर कब्जा करने की कोशिश की जाती है।

मंत्रालय ने बताया कि साइबर अपराधी आमतौर पर व्हाट्सऐप, एसएमएस या ई-मेल के माध्यम से 'स्टेटमेंट ऑफ अकाउंट.जिप', 'आरबीआई.जिप' या 'एमसीए.जिप' जैसे नामों वाली संपीड़ित (.जिप) फाइलें भेजते हैं। कई मामलों में फाइलों के नाम के आगे तारीख भी लिखी होती है, ताकि वे अधिक विश्वसनीय दिखाई दें।

ये संदेश इस तरह तैयार किए जाते हैं कि वे किसी बैंक खाते के विवरण, वित्तीय दस्तावेज या किसी नियामक संस्था की तत्काल सूचना जैसे प्रतीत हों। इससे लोग बिना सोचे-समझे फाइल खोल लेते हैं।

मंत्रालय ने बताया, 'जब कोई व्यक्ति अपने विंडोज डेस्कटॉप या लैपटॉप पर इन जिप (जेडआईपी) फाइलों को एक्सट्रैक्ट कर खोलता है, तो उसके सिस्टम में एक ट्रोजन मैलवेयर इंस्टॉल हो जाता है जो डिवाइस को हैक कर लेता है और पीड़ित के सक्रिय व्हाट्सऐप वेब सेशन को हाईजैक कर लेता है।' मंत्रालय ने यह भी बताया कि कई मामलों में साइबर अपराधी आयकर विभाग के नाम से फर्जी ई-मेल भी भेज रहे हैं, ताकि लोगों को भ्रमित किया जा सके।

एक बार व्हाट्सऐप अकाउंट हैक होने के बाद अपराधी उस अकाउंट का इस्तेमाल पीड़ित के सभी संपर्कों और ग्रुप्स में वही संक्रमित फाइल भेजने के लिए करते हैं। अक्सर संदेश में लिखा होता है कि फाइल को 'कंपनी के फाइनेंस मैनेजर को वेरिफिकेशन के लिए भेजें' और कंप्यूटर पर खोलें।

दमदार बिक्री के बावजूद हीरो मोटोकॉर्प का लाभ 16.86 फीसदी गिरा

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 अगस्त ।**

दोपहिया वाहन बनाने वाली प्रमुख कंपनी हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंसॉलिडेटेड शुद्ध लाभ में 16.86 फीसदी की गिरावट दर्ज की है। कंपनी का पीएटी घटकर 1,417.93 करोड़ रुपये रह गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 1,705.65 करोड़ रुपये था। कंपनी ने इस गिरावट की मुख्य वजह पिछले साल के ऊंचे आधार और 722 करोड़ रुपए के एकमुश्त लाभ को बताया है, जो सहयोगी कंपनियों में निवेश की हिस्सेदारी कम होने से मिला था। हालांकि, मुनाफे में कमी के बावजूद, हीरो मोटोकॉर्प ने ऑपरेशंस से कंसॉलिडेटेड रेवेन्यू में मजबूत वृद्धि दर्ज की है, जो बढ़कर 13,126.35 करोड़ रुपये हो गया। यह पिछले साल की समान अवधि में 9,727.75 करोड़ रुपये था, यानी लगभग 35फीसदी की बढ़ोतरी। इस तिमाही में कंपनी ने 16.77 लाख मोटरसाइकिल और स्कूटर बेचे, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही की तुलना में 23 फीसदी अधिक है। कारोबार बढ़ने के साथ कंपनी के कुल खर्च में भी तेज वृद्धि हुई, जो 11,621.48 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। हीरो मोटोकॉर्प के एक अधिकारी ने कहा कि वित्त वर्ष 27 की शुरूआत मजबूत रफ्तार के साथ हुई है, जिसमें प्रीमियम, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और कम्यूटर सेगमेंट के साथ-साथ वैश्विक कारोबार में भी व्यापक वृद्धि देखी गई। कंपनी के पाट्र्स, एक्सेसरीज और मर्चेंडाइजिंग कारोबार से राजस्व पहली तिमाही में 1,689 करोड़ रुपये रहा, जो साल-दर-साल 30 फीसदी अधिक है।

आरबीआई का नया फ्रेमवर्क: अब लोन वसूली होगी ज्यादा पारदर्शी और जिम्मेदार

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 अगस्त ।**

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कमर्शियल बैंकों द्वारा लोन रिकवरी को अधिक पारदर्शी और जिम्मेदार बनाने के लिए नया व्यापक फ्रेमवर्क जारी किया है। 1 जनवरी 2027 से लागू होने वाले ये नियम रिकवरी एजेंटों पर सख्ती, उधार लेने वालों की सुरक्षा के बेहतर उपाय और टेक्नोलॉजी-आधारित रिकवरी सिस्टम पर कड़ी निगरानी सुनिश्चित करेंगे। यह केवल कमर्शियल बैंकों पर लागू होगा। नए फ्रेमवर्क के तहत बैंकों को एक विस्तृत रिकवरी पॉलिसी बनानी होगी, जिसमें रिकवरी शुरू करने की शर्तें और नियमों के उल्लंघन पर मुआवजे जैसे बिंदु स्पष्ट हों। रिकवरी एजेंसियों की नियुक्ति से पहले जांच और एजेंटों के लिए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस (आईआईबीएफ) या आरबीआई मान्यता प्राप्त संस्थानों से प्रमाणन अनिवार्य है। बैंकों को अपनी वेबसाइट पर रिकवरी एजेंसियों की अपडेटेड सूची प्रकाशित करनी होगी। कर्जदारों को एजेंट के पहली बार मिलने से एक दिन पहले सूचना देनी होगी। एजेंटों के पास पहचान पत्र और ऑथराइजेशन लेटर जरूरी होगा; वे सुबह 8 बजे से शाम 7 बजे के बीच ही संपर्क कर सकेंगे। गाली-गलौज, धमकी, अत्यधिक कॉल, सार्वजनिक अपमान या सोशल मीडिया पर जानकारी उजागर करना सख्त वर्जित है।

गोबरधन योजना से 40 हजार करोड़ रुपए की विदेशी मुद्रा की होगी बचत, सृजित होंगे 1.5 लाख रोजगार: सरकार

नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 अगस्त । एक आधिकारिक बयान में शुक्रवार को कहा गया कि केंद्र सरकार की हाल ही में घोषित 'गोबरधन' (राष्ट्रीय सर्कुलर बायो-एनर्जी योजना) के माध्यम से भारत की आयात पर निर्भरता कम होगी और 40,000 करोड़ रुपए से अधिक की विदेशी मुद्रा की बचत की जा सकेगी। साथ ही यह क्षेत्र राष्ट्रीय जीडीपी में 75,000 करोड़ रुपए से अधिक का योगदान देगा और लगभग 1.5 लाख नए रोजगार पैदा करेगा।

सरकारी बयान के अनुसार, यह योजना अगले दस वर्षों में कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) के उत्पादन को लगभग दस गुना बढ़ाने में मदद करेगी। इसके साथ ही यह निजी निवेश को आकर्षित करेगी, सर्कुलर बायोइकोनॉमी को बढ़ावा देगी और उत्पादकों को बाजार उपलब्ध कराने के लिए विशेष सीबीजी ऑफटेक एश्योरेंस फ्रेमवर्क स्थापित करेगी।

इस योजना के तहत उत्पादित स्वदेशी और स्वच्छ गैस जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने में मदद करेगी। अनुमान है कि इससे करीब एक करोड़ मीट्रिक टन (10 मिलियन टन) जीवाश्म ईंधन के उपयोग को प्रतिस्थापित किया जा सकेगा। सरकारी बयान के अनुसार, जैविक कचरे को लैंडफिल में जाने से रोकने से 40 मिलियन टन से अधिक कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2) उत्सर्जन में कमी आएगी। साथ ही लगभग 250 मिलियन मीट्रिक टन जैविक उर्वरक का उत्पादन होगा, जो कृषि क्षेत्र के लिए भी बड़ा लाभ साबित हो सकता है।

करोला हत्याकांडः सागर की हत्या के बाद सड़क पर उतरे परिजन, पटौदी-कुलाना रोड को किया जाम

» गुरुग्राम, यूटर्न/ 07 अगस्त ।

फर्रुखनगर खंड के कारोला गांव में एक सनसनीखेज सागर की हत्या मामले में गुस्साए परिवार और ग्रामीणों ने पटौदी-कुलाना मार्ग पर खंडेवला मोड के पास जाम लगा दिया है। 25 वर्षीय युवक सागर की गोली और फरसे से मारकर हत्या कर दी गई थी। यह घटना बृहस्पतिवार, 6 अगस्त 2026 की शाम लगभग पांच बजे घटित हुई। पुलिस ने सूचना मिलते ही तुरंत मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

ग्रामीणों का विरोध प्रदर्शन

सागर की हत्या के बाद परिवार व ग्रामीणों में भारी गुस्सा है। उन्होंने पटौदी-कुलाना मार्ग पर खंडेवला मोड़ के पास जाम लगा दिया। यह विरोध प्रदर्शन आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर किया गया। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह हत्या पुरानी रंजिश का परिणाम बताई जा रही है। आरोप है कि मक्षेंद्र पहलवान पक्ष के कई युवकों ने इस वारदात को अंजाम दिया। मृतक सागर बेंगलुरु में रहता था। सागर के परिवार का मक्षेंद्र पहलवान के परिवार के साथ पहले झगड़ा हुआ था। इसी झगड़े की सूचना पर सागर बेंगलुरु से वापस आया था। हमलावरों ने सागर और उसके परिवार पर अचानक हमला कर दिया। उन्होंने तेजधार फरसे और गोली का इस्तेमाल किया, जिससे सागर की मौके पर ही मौत हो गई।

दो परिवारों के बीच पुरानी रंजीश

करोला गांव में दो परिवारों के बीच पहले से ही तनाव था। सागर के परिवार और मक्षेंद्र पहलवान के परिवार के बीच 4 अगस्त 2026 को एक बड़ा झगड़ा हुआ था। इस विवाद के बाद सागर को बेंगलुरु से वापस लौटना पड़ा।

संक्षिप्त खबरें

लोनी में नाले के पानी में केले धो रहा युवक वीडियो वायरल

लोनी, यूटर्न/ 07 अगस्त । प्रशांत विहार कॉलोनी स्थित नाले के गंदे पानी में केले धोने का वीडियो सोशल मीडिया पर बुधवार को वायरल हुआ। इसके बाद स्थानीय लोगों ने मामले की शिकायत पुलिस से की है। आरोप है कि गोदाम के कर्मचारी केला को नाले के गंदे पानी से धुलने के बाद गोदाम के लिए लेकर जा रहे हैं। लोनी में जूस में मूत्र मिलाकर बेचने के बाद अब नाले के गंदे और दूषित पानी में केले धोने का वीडियो वायरल हुआ है। लोगों ने सावन माह में श्रद्धालुओं की भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाते हुए पुलिस को शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। वायरल वीडियो में एक युवक नाले में केलों को धुलने के लिए डुबाकर बाहर निकालते दिख रहा है। वहां खड़े दो युवक भी केले को क्रेट में रखते नजर आ रहे हैं। आरोप है कि केले को नाले के दूषित पानी में धुलने के बाद गोदाम में स्टोर कर बाजार में बेचते हैं। हालांकि संवाद न्यूज एजेंसी वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करती है। सम्राट पृथ्वी सिंह ने पुलिस को शिकायत देते हुए आरोप लगाया है कि सावन के पवित्र माह में सनातन की आस्था को ठेस पहुंचाने के लिए जिहादी मानसिकता के लोगों ने ऐसा कृत्य किया है। लोगों ने आवासीय क्षेत्र में चलाए जा रहे कोल्ड स्टोरेज की जांच कराने और जिहादी मानसिकता वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। एसीपी लोनी रामकिशन ने बताया कि वीडियो वायरल होने और शिकायत मिलने का मामला संज्ञान में है। खाद्य सुरक्षा विभाग से जांच करने के लिए पत्र लिखा गया है।

विद्यार्थियों ने सीखी रेडियो और डिजिटल कैंपेन की बारीकियां

फरीदाबाद, यूटर्न/ 07 अगस्त । जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के संचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग में रेडियो और डिजिटल कैंपेन डिजाइन पर कार्यशाला आयोजित की गई। वीकली स्किल बूस्ट श्रृंखला के तहत आयोजित कार्यक्रम में बीएजेएमसी और एमएजेएमसी के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यशाला में विद्यार्थियों को मीडिया कैंपेन तैयार करने की व्यावहारिक जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि किसी भी अभियान को सफल बनाने के लिए सही योजना, रचनात्मक सोच और प्रभावी प्रस्तुति जरूरी है। रेडियो महारानी 89.6 एफएम के प्रोग्रामिंग हेड तुषार वाधवन और वरिष्ठ रेडियो जॉकी गीत भारद्वाज ने विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया। उन्होंने कैंपेन डिजाइन के चार प्रमुख चरणों टीजर, प्रमोशन, कॉल टू एक्शन और ऑन ग्राउंड एक्टिवेशन के बारे में जानकारी दी। आरजे गीत भारद्वाज ने रेडियो की भूमिका और इसकी सामाजिक उपयोगिता पर चर्चा की।

जमीन बेचने का झांसा देकर 99.50 लाख रुपये की धोखाधड़ी

» गाजियाबाद, यूटर्न/ 07 अगस्त

मसूरी क्षेत्र के गांव डिडवारी में कृषि की जमीन बेचने का सौदा कर नोएडा की एक कंपनी से 99.50 लाख रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। मामले में कंपनी के अधिकृत प्रतिनिधि गजेंद्र ने डीसीपी से शिकायत कर मसूरी थाने में दो भाई पवन कुमार और शिवेंद्र कुमार के खिलाफ केस दर्ज कराया है।

एसीपी मसूरी सुनील कुमार ने बताया कि गजेंद्र सिंह के मुताबिक वह ओरियन अलॉय स्ट्रिप्स प्राइवेट लिमिटेड के अधिकृत प्रतिनिधि हैं। कंपनी नोएडा सेक्टर 63 में स्थित है। गजेंद्र ने बताया कि चित्तौड़ा निवासी पवन कुमार और शिवेंद्र कुमार ने खुद को डिडवारी गांव स्थित कृषि भूमि का मालिक व जमीन पर काबिज बताया। उन्होंने जमीन बेचने का सौदा कंपनी के साथ तय किया।

डीएमई पर आज से चलेगी सिर्फ डाक कांवड़ आम वाहनों की आवाजाही पर रोक

गाजियाबाद, यूटर्न/ 07 अगस्त । कांवड़ यात्रा के अंतिम चरण को देखते हुए शुक्रवार शाम से दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे (डीएमई) पर आम वाहनों की आवाजाही रोक दी जाएगी। मेरठ की ओर से आने वाली लेन केवल डाक कांवड़ के लिए आरक्षित रहेगी। हालांकि, पैदल और बाइक से आने वाले कांवड़ियों को डीएमई पर प्रवेश नहीं मिलेगा। उन्हें वैकल्पिक मार्गों से भेजा जाएगा।

डीसीपी ट्रैफिक त्रिगुन बिसेन ने बताया कि मेरठ पुलिस के साथ समन्वय के आधार पर शुक्रवार शाम से डायवर्जन योजना लागू की जाएगी। कांवड़ियों की संख्या लगातार बढ़ रही है, इसलिए डीएमई पर सिर्फ डाक कांवड़ को ही संचालित किया जाएगा।

शहर में तीनों एंट्री प्वाइंट होंगे बंद

डीसीपी ने बताया कि डीएमई के तीनों प्रवेश बिंदुओं को बंद कर दिया जाएगा, जिससे कोई भी सामान्य वाहन एक्सप्रेसवे पर प्रवेश नहीं कर सकेगा। हालांकि, गाजियाबाद की ओर उतरने वाले वाहनों के लिए निकासी मार्ग खुले रहेंगे। डायवर्जन की जानकारी सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से लोगों तक पहुंचाई जा रही है।

एनएच-9 से गुजरेंगे वाहन

डीएमई के समानांतर एनएच-9 पर सामान्य यातायात जारी रहेगा। दिल्ली से मेरठ जाने वाले वाहनों को एनएच-9 के जरिये डासना कट से हापुड़ होते हुए मेरठ भेजा जाएगा। डायवर्जन को सुचारु रखने के लिए प्रमुख चौराहों और कटों पर ट्रैफिक पुलिस की तैनाती की गई है।

दूधेश्वरनाथ मंदिर के आसपास वाहनों की नो एंट्री

दूधेश्वरनाथ मंदिर में बढ़ती भीड़ को देखते हुए चौधरी मोड़, गोशाला फाटक, हापुड़ तिराहा, कैला भट्ठा और पटेलनगर फ्लाईओवर से मंदिर की ओर जाने वाले वाहनों पर रोक लगा दी गई है। संजय गीता चौक, घूकना मोड़, डीपीएस कट और सिहानी चुंगी से एनएच-34 की ओर भी यातायात प्रतिबंधित रहेगा।

मेरठ रोड की एक लेन फिलहाल खुली

पुलिस ने फिलहाल मेरठ रोड की एक लेन पर यातायात जारी रखने का निर्णय लिया है। अधिकारियों के अनुसार कांवड़ियों की संख्या बढ़ने पर स्थिति की समीक्षा कर कारों सहित अन्य वाहनों की आवाजाही पर भी रोक लगाई जा सकती है।

महिला कर्मी से 7.95 लाख की धोखाधड़ी, कंपनी निदेशक समेत दो पर प्राथमिकी

कौशांबी, यूटर्न/ 07 अगस्त । वैशाली सेक्टर तीन ए की रहने वाली संगीता घोष ने दो लोगों के खिलाफ 7.95 लाख रुपये की धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। आरोपी पूर्वी दिल्ली के लक्ष्मी नगर स्थित डीटीएपी फिनकर्व हेल्थ आईएमएफ प्रालि के निदेशक दीपक सिंह और पूर्वी दिल्ली के लक्ष्मी नगर स्थित एक्सटेंशन पार्ट एक निवासी प्रदीप पाल हैं। दोनों पर महिला के नाम पर बैंक से लोन लेने, दो लाख रुपये नकद लेने और वेतन रोकने समेत अन्य आरोप हैं। पुलिस ने 6 अगस्त को मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

दर्ज मामले में संगीता घोष ने बताया कि वह नवंबर 2025 में डीटीएपी फिनकरव हेल्थ आईएमएफ प्रा लि में कार्यरत थीं। कंपनी के निदेशक दीपक सिंह ने जनवरी 2026 में कंपनी विकास के लिए उनसे दो लाख रुपये की मदद मांगी। उन्होंने तीन माह में रकम लौटाने का वादा किया और सुरक्षा के तौर पर एक चेक भी दिया। इसके बाद फरवरी 2026 में दीपक सिंह ने संगीता के नाम पर पांच लाख रुपये का व्यक्तिगत ऋण भी ले लिया। आरोप है कि उन्हें अब तक न तो दो लाख रुपये वापस मिले और न ही उनके नाम पर लिया गया लोन बंद कराया गया। इसके अलावा कंपनी ने तीन माह का वेतन (45 हजार रुपये) और 50 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि भी नहीं दी गई है। एसीपी इंदिरापुरम सूर्यबली मौर्य ने बताया कि आरोपियों को नोटिस भेजा गया है, साथ ही लोन देने वाली बैंक शाखा से भी जानकारी मांगी गई है। जल्द ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

निजी फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी बनकर युवक से बाइक छीनी, रिपोर्ट दर्ज

साहिबाबाद, यूटर्न/ 07 अगस्त : टीलामोड़ थानाक्षेत्र के कृष्ण विहार निवासी मोहन को रास्ते में रोककर कुछ लोगों ने बाइक छीन ली। आरोपियों ने खुद को निजी फाइनेंस कंपनी का कर्मचारी बताया। पीड़ित की तरफ से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) दिखाने पर आरोपियों ने मारपीट भी की। मामला 30 अप्रैल का है और पुलिस ने तीन माह बाद बृहस्पतिवार को प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की है।

दर्ज मामले में पीड़ित मोहन ने बताया कि उन्होंने मार्च 2019 में निजी कंपनी से फाइनेंस कराकर बाइक खरीदी थी। लोन की पूरी करम चुका दी और कंपनी से एनओसी भी मिल चुकी है। 30 अप्रैल की सुबह वह जावली गांव जा रहे थे। आरोप है कि रास्ते में चार अज्ञात युवकों ने उन्हें रोककर खुद को फाइनेंस कंपनी का कर्मचारी बताया। साथ ही बाइक की किस्तें बकाया होने की बात कही। पीड़ित ने बताया कि लोन भुगतान के दस्तावेज और एनओसी भी दिखाई तो आरोपी उन्हें पीटकर बाइक छीनकर ले गए। कुछ दिन बाद उनकी बाइक लोनी के बंथला स्थित एक पार्किंग में खड़ी मिली। पार्किंग संचालक से बात करने पर उसने बाइक पर 60 हजार रुपये का कर्ज बकाया होने की बात कही। एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि आरोपियों की तलाश की जा रही है। पार्किंग संचालक को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया है। जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

दिल्ली में आपदा से बचने की तैयारी: आईटीओ बैराज पर खुले रहेंगे 32 गेट, डिजिटल निगरानी से मिलेगी बाढ़ की चेतावनी

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 अगस्त

दिल्ली में वर्ष 2023 की भीषण बाढ़ से सबक लेते हुए यमुना के जल प्रबंधन में बड़ा बदलाव किया गया है। हरियाणा सरकार ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) को सौंपी रिपोर्ट में बताया कि अब आईटीओ बैराज के सभी 32 गेट स्थायी रूप से खुले रखे जा रहे हैं, ताकि यमुना का पानी बिना किसी रुकावट के आगे बढ़ सके जिससे बाढ़ के दौरान जलभराव का खतरा कम हो। साथ ही बैराज पर अत्याधुनिक पर्यवेक्षी नियंत्रण और डाटा अधिग्रहण (स्काडा) प्रणाली स्थापित की जाएगी। इससे यमुना के जलस्तर, पानी के बहाव और अन्य अहम आंकड़ों की रियल टाइम निगरानी संभव होगी।

हरियाणा सरकार का मानना है कि इससे बाढ़ के दौरान पानी का दबाव कम होगा और दिल्ली में जलभराव से काफी हद तक बचाव हो सकेगा। हरियाणा सरकार ने अदालत को बताया कि बैराज के सभी गेट खुले रखे गए हैं और उनकी नियमित जांच व रखरखाव भी किया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, आईटीओ बैराज का निर्माण कभी राजघाट थर्मल पावर प्लांट को कूलिंग के लिए पानी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया गया था। अब यह पावर प्लांट बंद हो चुका है, इसलिए बैराज की भूमिका भी बदल गई है। इसे अब यमुना के जलस्तर और पानी के प्रवाह की निगरानी करने वाले आधुनिक केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है।

बाढ़ के बाद बदली व्यवस्था

साल 2023 में आई भीषण बाढ़ के दौरान आईटीओ बैराज के गेट समय पर नहीं खुलने पर सवाल उठे थे। आरोप था कि पानी के बहाव में रुकावट आने से दिल्ली के कई इलाके बाढ़ की चपेट में आ गए। इसके बाद बैराज की कार्यप्रणाली की समीक्षा की गई और अब इसे नई व्यवस्था के तहत संचालित किया जा रहा है।

स्काडा तकनीक रखेगी हर पल नजर

यमुना की निगरानी को हाईटेक बनाने के लिए आईटीओ बैराज पर स्काडा प्रणाली लगाई जाएगी। इस डिजिटल सिस्टम के जरिए नदी के जलस्तर, पानी के बहाव और अन्य अहम आंकड़ों की रियल टाइम जानकारी मिलेगी। इससे बाढ़ जैसी आपात स्थिति में अधिकारियों को तुरंत निर्णय लेने में मदद मिलेगी। इस परियोजना को जून 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। स्का संडा एक हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर का एकयुक्त औद्योगिक नियंत्रण तंत्र है। इसका उपयोग दूरस्थ स्थानों की मशीनों व प्रक्रियाओं पर वास्तविक समय में नजर रखने, डाटा जुटाने और उन्हें नियंत्रित करने के लिए किया जाता है।

वैज्ञानिक तरीके से होगी बाढ़ क्षेत्र की पहचान

हरियाणा सरकार ने एनजीटी को बताया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार हथनीकुंड बैराज से दिल्ली सीमा तक के आवश्यक आंकड़े केंद्रीय जल आयोग को उपलब्ध करा दिए गए हैं। इसके अलावा सर्वे ऑफ इंडिया और आईआईटी रुड़की की मदद से यमुना के फ्लड प्लेन की मैपिंग और फ्लड प्लेन जोनिंग का काम भी तेजी से चल रहा है।

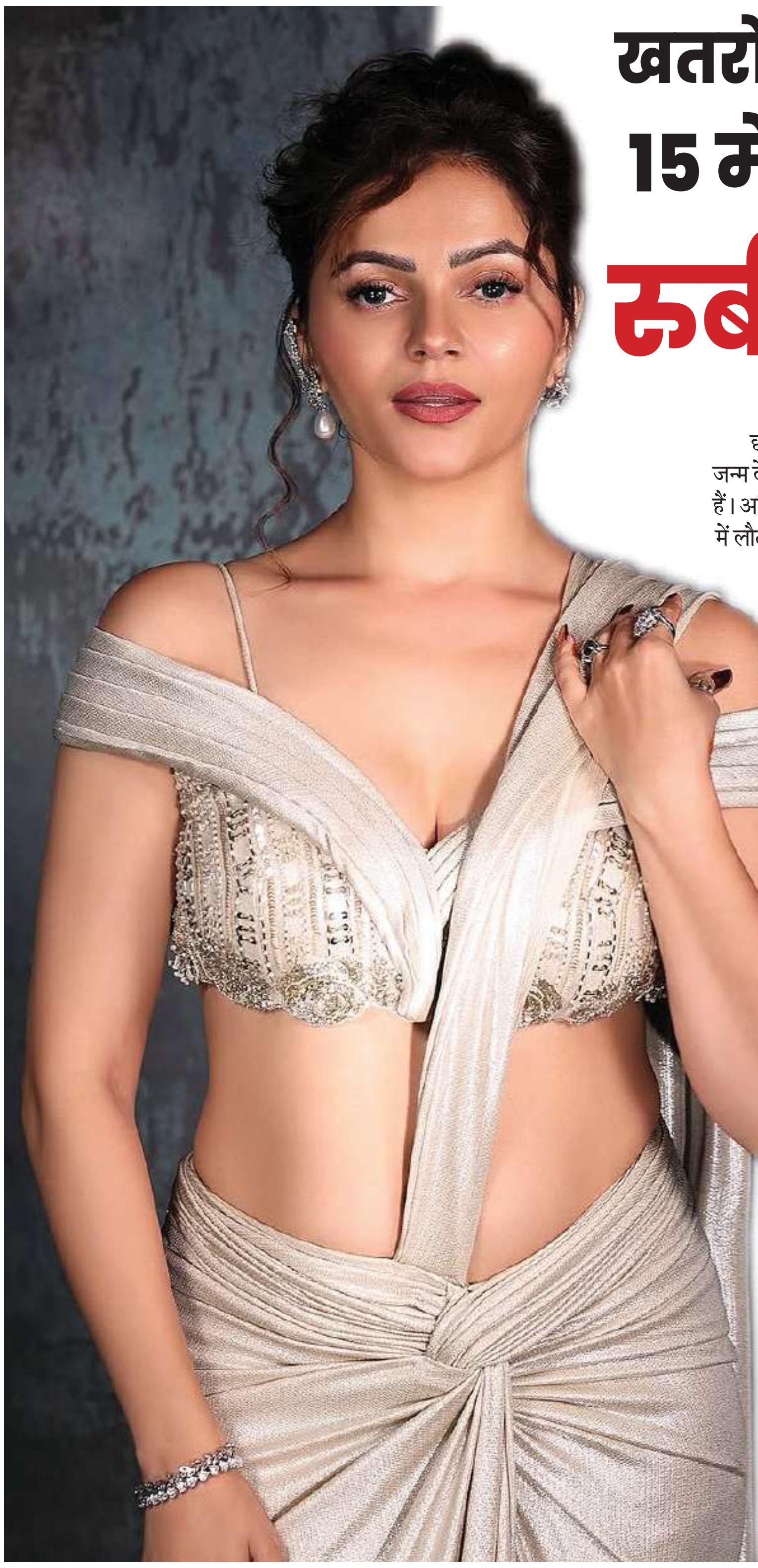

खतरों के खिलाड़ी सीजन 15 में वापसी कर रही रुबीना दिलैक

छोटे परदे की लोकप्रिय अभिनेत्री रुबीना दिलैक अपने जुड़वां बच्चों को जन्म देने के बाद अब खतरों के खिलाड़ी सीजन 15 में अपनी वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री ने स्वीकार किया कि मां बनने के बाद इस एडवेंचर रियलिटी शो में लौटना उनके लिए शारीरिक रूप से बेहद मुश्किल रहा। उन्होंने बताया कि गर्भावस्था के बाद उनके शरीर में कई महत्वपूर्ण बदलाव आए हैं, और उन्हें लगा कि शायद उन्हें शो में हिस्सा लेने से पहले कुछ और साल इंतजार करना चाहिए था। रुबीना दिलैक ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, मुझे पहले ही स्टंट में यह एहसास हो गया था कि मुझे और अधिक मजबूत बनने के लिए शायद चार-पांच साल और इंतजार करके फिर वापस आना चाहिए था। उन्होंने आगे कहा कि इस शो में केवल शारीरिक रूप से मजबूत होना ही मायने नहीं रखता, बल्कि मानसिक दृढ़ता (मेंटल रेजिलिएंस) कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है। स्टंट के दौरान उन्हें यह अच्छी तरह समझ आ गया कि अब या फिर कभी नहीं, क्योंकि दृढ़ता, मानसिक स्थिरता और समय, कोई भी ट्रेनिंग इसे बेहतर नहीं बना सकती। अभिनेत्री ने इस बात पर जोर दिया कि अपने स्टंट करने की हिम्मत अंदर से ही आती है, न कि किसी वर्कआउट से। उन्होंने कहा, मेरे अंदर के मजबूत माइंडसेट ने मुझे शारीरिक सीमाओं के बावजूद मुश्किल चुनौतियों से निपटने में मदद की। तो माइंडसेट एक ऐसी चीज थी जिसे लेकर मैं वास्तव में मजबूत थी। शारीरिक तौर पर यह बहुत चुनौतीपूर्ण था।

रुबीना ने बताया कि उनके लिए यह अनुभव एक मजबूत इच्छाशक्ति का प्रमाण था, जो उन्हें हर स्टंट में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रहा था। एडवेंचर रियलिटी शो में अपनी पिछली भागीदारी से अपने इस नवीनतम स्टन्ट की तुलना करते हुए रुबीना ने बताया कि मां बनने के बाद उन्होंने अपनी शारीरिक क्षमताओं में तत्काल अंतर महसूस किया। उन्होंने कहा, जब मैंने पहला सीजन किया था, तब भी उसमें कई शारीरिक चुनौतियां थीं, लेकिन जब मैं इस बार आई, तो मुझे एहसास हुआ कि अब मेरे शरीर में कई तरह के बदलाव हुए हैं और यह एक नई चुनौती थी। बता दें कि रुबीना ने साल 2023 में अपने पति अभिनव शुक्ला के साथ जुड़वां बेटियों, जीवा और एधा का स्वागत किया था।

लॉक अप 2: आकांक्षा को दी अपनी असली पर्सनालिटी दिखाने की सलाह

रियलिटी शो लॉक अप 2 में आकांक्षा चमोला पिछले कुछ समय से काफी शांत नजर आ रही थीं। शो में एंट्री के समय जितनी एनर्जी और कॉन्फिडेंस उनमें था, धीरे-धीरे वह गायब होता चला गया। दर्शकों को लग रहा था कि आकांक्षा गेम नहीं खेल रही हैं, बस कोने में बैठकर सब सह रही हैं। इसी बीच नेहल की एंट्री हुई और उन्होंने आते ही आकांक्षा से बातें कीं। नेहल ने आकांक्षा से कहा कि उन्होंने गौरव खन्ना की सलाह को गलत तरीके से ले लिया है। उन्होंने कहा, मुझे पता है गौरव अच्छी नीयत से आया था, लेकिन मुझे लगता है आपने उसकी बातों के सिर्फ गलत हिस्से पकड़े और खुद को समेट लिया। आपको गलत समझा गया है। मैं खुद रियलिटी शो में कई महीनों तक गलत समझी गई थी, इसलिए ये फीलिंग मैं जानती हूं कि जब पूरी दुनिया आपको गलत समझे तो कैसा लगता है। नेहल ने आकांक्षा से कहा, अब आपको इस खेल से बाहर निकलना होगा और अपनी असली पर्सनालिटी दिखानी होगी। इस समय लॉक अप 2 जितने लोग देख रहे हैं, उसकी बड़ी वजह आकांक्षा के सीक्रेट्स हैं। जुलाई के पहले हफ्ते में आकांक्षा ने बताया था कि शादी से पहले वह बाइसेक्सुअल थीं। उनका कुछ लड़कियों के साथ रिलेशन रहा है, हालांकि उन्होंने साफ किया था कि वो रिलेशन में बहुत ज्यादा इंटीमेट नहीं थीं। आकांक्षा ने यह भी कहा था कि उनके लिए महिलाएं सेफ स्पेस हैं।

मैं अपनी तरफ से शिल्पा के शेल्टर होम में मदद करूंगी: लॉकअप-2 विनर श्रेया कालरा

वेब रियलिटी शो 'लॉकअप: सच या सजा' की ट्रॉफी श्रेया कालरा ने अपने नाम की। शो खत्म होने के बाद श्रेया ने मीडिया के साथ बातचीत में बताया कि विजेता के तौर पर जीतने वाली प्राइज मनी से वे कंटेस्टेंट शिल्पा शिंदे के शेल्टर होम की मदद करेंगी। मीडिया ने श्रेया से जब पूछा कि वो प्राइज मनी का क्या करेंगी और अपने कौन से सपने पूरे करना चाहती हैं? इस सवाल का जवाब देते हुए श्रेया ने कहा, 'देखिए मैं लग्जरी चीजों में यकीन नहीं करती हूं और न ही कार इतनी पसंद हैं। हां, तोहफे खरीदना और देना पसंद हैं, लेकिन इन सबके बीच एक बात मैंने जो सोची है। वह यह है कि मैं शिल्पा जी के शेल्टर होम में अपनी तरफ से उनकी मदद कर करूंगी।' शिल्पा की पहल को सपोर्ट करने के अलावा श्रेया ने कहा कि वह एक स्मार्ट फाइनेंशियल इन्वेस्टमेंट करना चाहती हैं। उन्होंने कहा, 'दूसरी बात मैं इस पैसे को एक प्रॉपर्टी में इन्वेस्ट करने की कोशिश करूंगी, ताकि मुझे रिटर्न में कुछ मिले क्योंकि मैं सिंधी हूं और मेरा बिजनेस माइंड बहुत स्ट्रांग है। तो ये दो चीजें हैं, जो मैंने इस 1 करोड़ रुपए के लिए सोची है।' पूरे सीजन में श्रेया और शिल्पा के बीच लॉक अप हाउस के अंदर उतार-चढ़ाव के साथ बहुत अच्छा रिश्ता रहा। शिल्पा ने जरूरतमंदों के लिए एक शेल्टर होम बनाने और मदद और प्यार की जरूरत वाले लोगों की भलाई के लिए अपनी तरफ से पूरी कोशिश करने की इच्छा जाहिर की थी। सोशल मीडिया कंटेस्टेंट श्रेया कालरा 5 अगस्त को हुए ग्रैंड फिनाले में लॉक अप सीजन 2 की विनर रहीं हैं।

काउंटी क्रिकेट में ससेक्स की ओर से खेलते दिखेंगे उनादकट

» लंदन, यूटर्न/ 07 अगस्त ।

तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट एक बार फिर इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेलने जा रहे हैं। उनादकट इस सप्ताह के अंत में काउंटी खेलने के यहां पहुंचेंगे। वह ससेक्स टीम की ओर से खेलते दिखेंगे। इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट में अभी सीमित ओवरों के मुकाबले चल रहे हैं जिसमें 'द हंड्रेड और 'वनडे कप शामिल है।

वह इस बार ससेक्स की ओर से बचे हुए 6 काउंटी चैंपियनशिप मैचों में खेलेंगे, इनकी शुरूआत 20 अगस्त को बर्मिंघम के एजबस्टन में वार्विकशायर के खिलाफ मैच से होगी। उनादकट का ससेक्स के साथ अनुबंध केवल काउंटी चैंपियनशिप के लिए है और उम्मीद है कि जब लाल गेंद प्रतियोगिता फिर से शुरू होगी तो वह टीम में वापस आ जाएंगे। उनादकट ने जून में भी काउंटी चैंपियनशिप के दो मैचों में हिस्सा लिया था। इसके बाद आईपीएल के कारण वह शुरूआती दौर से बाहर हो गये थे।

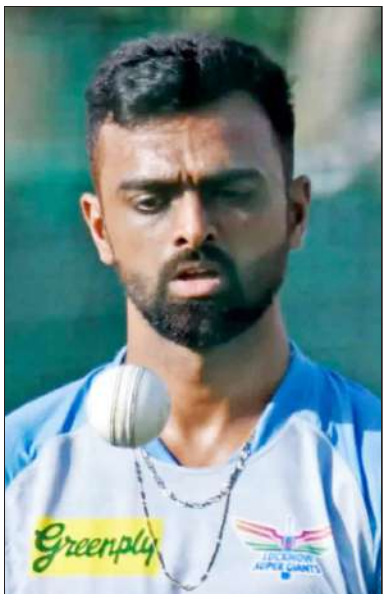

उनादकट ने कहा, अब काउंटी क्रिकेट में वापसी हो रही है। मैं पिछले चार सत्र से ससेक्स की ओर से खेल रहा हूं। उनादकट के अलावा पूर्व भारतीय क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने साल 2024 चैंपियनशिप सीजन के दौरान ससेक्स की ओर से खेला था। उनादकट काउंटी में काफी सफल रहे हैं। उन्होंने 13 काउंटी मैचों में 17.75 की औसत और 38.2 की स्ट्राइक रेट से 57 विकेट लिए हैं, जिसमें एक बार पांच विकेट लेने का कारनामा भी शामिल है। इस सीजन में खेले गए दो मैचों की चार पारियों में उन्होंने आठ विकेट लिए।

गौरतलब है कि इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ओली रॉबिन्सन की कप्तानी में ससेक्स अभी काउंटी चैंपियनशिप के डिवीजन वन में पांचवें स्थान पर है। उन्होंने अपने आठ मैचों में से चार जीते हैं, दो हारे हैं और दो मैच ड्रॉ रहे हैं। सीजन में उनके अभी छह मैच बाकी हैं। उनादकट के अलावा, युजवेंद्र चहल (नॉटिंघमशायर) और राहुल चाहर (सरे) भी इस सत्र की काउंटी चैंपियनशिप में खेलने वाले अन्य भारतीय खिलाड़ी हैं।

एफआईएच हॉकी विश्व कप के लिए भारतीय टीम में जगह मिलने से उत्साहित हैं मोहित

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 अगस्त ।

कर्नाटक के युवा खिलाड़ी एचएस मोहित को एफआईएच हॉकी विश्व कप के लिए दूसरे गोलकीपर के तौर पर भारतीय टीम में शामिल किया गया है। मोहित इससे बेहद उत्साहित है क्योंकि उनका भारतीय टीम से खेलने का सपना पूरा होने जा रहा है। एफआईएच विश्वकप 15 से 30 अगस्त तक नीदरलैंड और बेल्जियम की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा। इसमें अनुभवी गोलकीपर सूरज करकेरा भारतीय टीम के पहले गोलकीपर रहेंगे। सूरज से इस टूनामेंट में मोहित को काफी कुछ सीखने को भी मिलेगा।

युवा मोहित ने पिछले कुछ समय में अपने शानदार प्रदर्शन से चयनकताओं को प्रभावित किया है। एफआईएच प्रो लीग के अंतिम चरण में इस खिलाड़ी ने काफी अच्छी गोलकीपिंग कर कई गोल बचाये थे। मोहित ने जूनियर विश्व कप में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया इसके बाद उन्हे सीनियर राष्ट्रीय टीम में जगह जगह मिली है। हॉकी इंडिया द्वारा जारी एक बयान में मोहित ने अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा, मेरी हमेशा से यही सोच रही है कि भारत के लिए बड़े टूर्नामेंट खेलूं। जूनियर विश्व कप में हम पदक नहीं जीत सके थे और चौथे स्थान पर रहे थे। तभी से मेरा सपना था कि भारत के लिए कुछ बड़ा करूं। मोहित ने भारतीय हॉकी के महान गोलकीपर पी.आर. श्रीजेश से मिली सीख को भी याद किया। उन्होंने कहा, हमने उनसे काफी कुछ सीखा है पर जिस प्रकार का दबाव उनपर रहता था वैसा हमपर नहीं है। उन्होंने भारत के लिए शानदार योगदान दिया है। मैरी भी प्रयास अब अपनी ओर से सौ फीसदी योगदान देना रहेगा। गौरतलब है कि भारतीय टीम हाल ही में समाप्त हुए एफआईएच प्रो लीग अभियान में नीदरलैंड और जर्मनी जैसी मजबूत टीमों को हराने के बाद नए आत्मविश्वास के साथ विश्व कप में उतर रही है।

शहबाज-मुनीर के पहुंचते ही सऊदी में हूतियों ने दागे ड्रोन

» रियाद, यूटर्न/ 07 अगस्त ।

ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों की बढ़ती गतिविधियों ने सऊदी अरब की सुरक्षा चिंताएं बढ़ा दी हैं। यमन तक सीमित रहने वाला संघर्ष अब सऊदी सीमा के भीतर भी असर दिखाने लगा है। गुरुवार को यमन से सटे सऊदी इलाके में हुए हमले ने क्षेत्रीय तनाव को और बढ़ा दिया। यह घटनाक्रम उस समय हुआ जब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर सऊदी अरब के दौरे पर मौजूद थे। सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच पिछले साल हुई रक्षा साझेदारी के तहत किसी एक देश पर हमला दोनों देशों की सुरक्षा से जुड़ा माना जाएगा। ऐसे में हूती हमले को पाकिस्तान के लिए भी एक संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

इससे पहले हूती विद्रोहियों ने यमन के मारिब और हदरमौत प्रांतों में सरकारी सेना के ठिकानों को निशाना बनाया। इन हमलों में बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। हमले में करीब 30 सैनिकों की मौत और 50 से ज्यादा के घायल होने की जानकारी सामने आई। हूती नेतृत्व ने दावा किया कि उसने सऊदी समर्थित बलों को निशाना बनाया और उन्हें भारी नुकसान पहुंचाया। इसके कुछ घंटों बाद सऊदी अरब के दक्षिणी नजरान इलाके में भी हमले हुए। यहां नागरिक क्षेत्रों में गोलाबारी की गई, जिसमें चार साल के बच्चे समेत 10 से ज्यादा लोग घायल हो गए। घायलों में सऊदी नागरिकों के अलावा विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। सऊदी सेना ने इन हमलों के लिए हूती विद्रोहियों को जिम्मेदार ठहराते हुए इन्हें अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का उल्लंघन बताया।

ईरान के पुराने झंडे वाले पोस्ट पर मचा बवाल इटली के विदेश मंत्रालय ने दी सफाई

» रोम, यूटर्न/ 07 अगस्त ।

इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो तजानी के ईरान के पुराने झंडे वाले सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर चर्चा तेज हो गई। मामला बढ़ने पर विदेश मंत्री के हैंडल से ईरान के इस्लामिक क्रांति से पहले के झंडे वाले इमोजी को डिलीट कर नया पोस्ट साझा किया गया। विदेश मंत्रालय ने बाद में इस मामले में सफाई भी दी और इस घटना को तकनीकी दिक्कत बताया। इटली के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को ईरान इंटरनेशनल मीडिया को बताया, 'पोस्ट में सिर्फ तकनीकी वजहों से बदलाव किया गया था। इसे किसी और वजह या बाहरी पार्टियों के कम्युनिकेशन, अपील या दबाव की वजह से नहीं जोड़ा जा सकता।' दरअसल, तजानी ने ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची के साथ फोन पर बात की। इस बात की जानकारी देने के लिए उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा किया, जिसमें शेर और सूरज वाला ईरान के झंडे का इमोजी शामिल किया था। पोस्ट पर बहुत ज्यादा ध्यान जाने के बाद इसे डिलीट कर दिया गया और बिना इमोजी के दोबारा पब्लिश किया गया।

1979 के इस्लामिक क्रांति से पहले ईरान के राष्ट्रीय झंडे पर शेर और सूरज का इस्तेमाल किया जाता था। हाल के कुछ समय में शेर और सूरज वाला ईरानी झंडा फिर से ट्रेंड में देखने को मिला। ईरानी मीडिया का कहना है कि इस झंडे का इस्तेमाल इस्लामिक रिपब्लिक के विरोधी बड़े पैमाने पर कर रहे हैं। दरअसल, साल 2026 की शुरूआत में ईरान में जारी विरोध प्रदर्शन के बीच देश का झंडा बदलने की चर्चा तेज हुई थी। जनवरी में इससे संबंधित एक वीडियो सामने आया था जिसमें एक प्रदर्शनकारी लंदन में ईरानी दूतावास से ईरान का झंडा फाड़ते और क्रांति से पहले का झंडा पकड़े हुए देखा गया।

वहीं इजरायल के वॉर रूम ने भी ईरान का पुराना शेर और सूरज वाले झंडे की तस्वीर के साथ एक पोस्ट शेयर किया था। इजरायल के इस पोस्ट से इस बात की आशंका और तेज हो गई थी कि क्या खामेनेई की सरकार जाने वाली है। इजरायल वॉर रूम ने झंडे की फोटो के साथ कैप्शन में 'जल्द' लिखा था।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स ने एक यूजर के अनुरोध पर ईरानी झंडे के इमोजी को ईरान की क्रांति से पहले के झंडे के इमोजी से बदल दिया। इसके बाद ईरानी झंडे को लेकर खूब चर्चा हुई। इसी कड़ी में आज इजरायली वॉर रूम ने भी यह पोस्ट किया। जब ईरान में राजशाही सत्ता में थी, तो देश का झंडा हरा, सफेद और लाल रंग का था जिस पर शेर और सूरज का निशान था। ईरान के पुराने झंडे को फिलहाल सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे लोग काफी पसंद कर रहे हैं। 1979 की क्रांति के बाद जब मौलवियों के नेतृत्व वाली सरकार सत्ता में आई तो उसने शेर और सूरज के निशान को एक नए कोट ऑफ आर्म्स से बदल दिया और धारियों के अंदरूनी किनारों पर 'अल्लाह हू अकबर' लिखा।

अनिल मेनन और जेसिका मीर ने पूरी की आईएसएस की स्पेस वॉक

» वॉशिंगटन, यूटर्न/ 07 अगस्त

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के बाहर नासा के अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन और जेसिका मीर ने सफल स्पेस वॉक पूरी की। इस दौरान दोनों ने स्टेशन के पावर सिस्टम में महत्वपूर्ण बदलाव किए, जिससे भविष्य में नए सोलर एरे लगाने की तैयारी पूरी हो गई है। यह स्पेस वॉक छह घंटे 27 मिनट तक चली। दोनों अंतरिक्ष यात्री क्वेस्ट एयरलॉक से बाहर निकलकर स्टेशन के बाहरी हिस्से में पहुंचे और स्टारबोर्ड 6 ट्रस सेगमेंट पर लगे 3इ पावर चैनल के लिए माउंटिंग हार्डवेयर स्थापित किया। इस काम से भविष्य में रोल-आउट सोलर एरे लगाने में मदद मिलेगी।

नासा के अनुसार, नए सोलर एरे से अंतरिक्ष स्टेशन को अतिरिक्त ऊर्जा मिलेगी। इससे स्टेशन के महत्वपूर्ण सिस्टम को बेहतर तरीके से चलाने में सहायता मिलेगी और भविष्य में स्टेशन को सुरक्षित रूप से डी-ऑर्बिट करने की योजना में भी मदद मिलेगी। यह मिशन जेसिका मीर की छठी और अनिल मेनन की पहली स्पेस वॉक थी। वहीं, अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के इतिहास में यह 281वीं स्पेस वॉक रही। काम के दौरान मेनन को एक विशेष पोर्टेबल फुट रेस्ट पर तैनात किया गया, जिससे उन्हें ट्रस पर उपकरण लगाने में स्थिरता मिली। दोनों अंतरिक्ष यात्रियों ने सोलर एरे से जुड़े भविष्य के बिजली कनेक्शन के लिए केबलिंग का काम भी पूरा किया। इसके बाद उन्होंने जरूरी हिस्सों को मल्टी-लेयर इंसुलेशन से ढका। स्पेस वॉक के दौरान दोनों ने अंतरिक्ष से चांद को देखा और भविष्य के चंद्र अभियानों को लेकर भी बातचीत की। 2021 से अब तक अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष स्टेशन पर छह आईआरओएसएअसेंबली स्थापित कर चुके हैं। अब दो और असेंबली भेजी जानी बाकी हैं, जिन्हें इस साल के अंत तक स्टेशन पर पहुंचाने की योजना है।

यह स्पेस वॉक एक्सपेडिशन 75 अभियान के तहत निर्धारित तीन बाहरी अभियानों में पहली थी। आने वाले दिनों में दो और स्पेस वॉक प्रस्तावित हैं। इनमें अंतरिक्ष संचार के लिए जरूरी एंटीना बदलना और पावर चैनल केबल व डेटा सिस्टम को जोड़ने जैसे कार्य शामिल होंगे।

डब्ल्यूएमसीसी की 36वीं बैठक: भारत और चीन ने सीमा मुद्दों पर की बातचीत

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 अगस्त ।

भारत और चीन ने सीमा निर्धारण, सीमा प्रबंधन, तंत्र निर्माण और सीमा पार सहयोग से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। भारत-चीन सीमा मामलों पर परामर्श और समन्वय के लिए कार्य तंत्र (डब्ल्यूएमसीसी) की 36वीं बैठक का आयोजन 6 अगस्त को राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में किया गया। इस बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव (पश्चिम एशिया) सुजीत घोष ने किया और चीनी प्रतिनिधिमंडल को विदेश मंत्रालय के बाउंड्री और ओशनिक अफेयर्स डिपार्टमेंट की डायरेक्टर जनरल होउ यांकी ने किया।

दोनों पक्षों ने खुलकर बातचीत की और लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) पर हालात की समीक्षा की। इसके अलावा इस बात पर जोर दिया गया कि सीमावर्ती इलाकों में शांति बनाए रखना दोनों देशों के संबंधों के पूरे विकास के लिए जरूरी है।

दोनों पक्ष मौजूदा डिप्लोमेटिक और मिलिट्री चैनलों का इस्तेमाल जारी रखने पर सहमत हुए। इसमें डब्ल्यूएमसीसी, स्थानीय कमांडर स्तर की बैठक और दूसरे तय तरीके शामिल हैं, ताकि बाकी मुद्दों को सुलझाया जा सके और एलएसी पर गलतफहमी और गलत अंदाजे से बचा जा सके। 24वीं एसआर टॉक्स के नतीजों के बाद, दोनों पक्षों ने बाउंड्री डिलिमिटेशन, सीमा प्रबंधन, मैकेनिज्म-बिल्डिंग और ट्रांस-बॉर्डर कोऑपरेशन से जुड़े मुद्दों पर डिटेल में बातचीत की। भारतीय पक्ष ने ट्रांस-बॉर्डर नदियों पर एक्सपर्ट लेवल मैकेनिज्म की अगली मीटिंग जल्द बुलाने की जरूरत दोहराई और अपस्ट्रीम प्रोजेक्ट्स पर टेक्निकल डिटेल्स साजा करने की अहमियत पर जोर दिया।

कांगो में इबोला के प्रकोप से अब तक 1850 की मौत, बच्चों पर सबसे ज्यादा असर

किंशासा, यूटर्न/ 07 अगस्त । डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में इबोला वायरस का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। देश के स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा जारी ताजा अपडेट के मुताबिक अब तक 4053 लोगों में इबोला की पुष्टि हो चुकी है, जिनमें से 1850 लोगों की मौत हो चुकी है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार अभी 694 मरीज आइसोलेशन में या अस्पताल में इलाजरत हैं, जबकि 793 लोग ठीक होकर घर लौट चुके हैं। लेकिन पूर्वी डीआरसी में हालात सबसे ज्यादा गंभीर बताए जा रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र बाल कोष यूनिसेफ ने गुरुवार को कहा कि इस प्रकोप में अब तक 330 बच्चों की मौत हो चुकी है। इससे इतुरी प्रांत में जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। यूनिसेफ के अनुसार, 'बच्चों में कुल पुष्ट मामलों का लगभग एक चौथाई हिस्सा है, लेकिन मौतों में उनका हिस्सा लगभग एक तिहाई है।

अमेरिका-ईरान तनाव के बीच पाक-तुर्किए-सऊदी में गठजोड़, संयुक्त रक्षा समझौता की कवायद तेज

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 अगस्त ।

सऊदी अरब, तुर्किए और पाकिस्तान के बीच संयुक्त डिफेंस पैक्ट पर हस्ताक्षर होने वाले हैं। यूरो न्यूज ने सऊदी मिलिट्री और सरकार के करीबी सूत्रों के हवाले से बताया कि इस समझौते पर मुहर लगाने के लिए सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान, तुर्किए के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोआन और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ शुक्रवार को जेद्दा में मुलाकात करेंगे। इस पैक्ट का मकसद अमेरिका-ईरान की लड़ाई के बाद क्षेत्रीय सुरक्षा संबंधों को मजबूत करना है। यह कदम इस इलाके में युद्ध, झगड़े और सैन्य तनाव बढ़ने के बीच उठाया गया है। खासकर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव ने खाड़ी देशों को अपनी ओर खींचा और होर्मुज स्ट्रेट और लाल सागर से शिपिंग में रुकावट डाली है। यूरो न्यूज के अनुसार, नाम न बताने की शर्त पर सूत्रों ने कहा, 'इस पर लंबे समय से बातचीत चल रही थी, लेकिन इलाके में हुए नए डेवलपमेंट ने इसे और तेज कर दिया है।'

सऊदी सरकार के एक दूसरे करीबी सोर्स ने भी नाम न बताने की शर्त पर कन्फर्म किया कि समझौते पर शुक्रवार को हस्ताक्षर किए जाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

बच्चों की सुरक्षा मामले में मेटा पर 56.7 करोड़ डॉलर का अतिरिक्त जुर्माना लगा

न्यू मैक्सिको, यूटर्न/ 07 अगस्त । अमेरिका के न्यू मैक्सिको की स्थानीय अदालत ने बच्चों को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से जुड़े खतरों के बारे में जानकारी न देने के मामले में मेटा पर 56.7 करोड़ डॉलर का अतिरिक्त जुर्माना लगाया है। बाल सुरक्षा से जुड़े मामलों में कंपनी के खिलाफ यह अब तक का सबसे बड़ा फैसला है। इसके साथ ही इस मामले में मेटा पर कुल जुर्माना बढ़कर 94.2 करोड़ डॉलर हो गया है। न्यायाधीश ब्रायन बीडशीड ने मेटा को 'सार्वजनिक नुकसान पहुंचाने वाली कंपनी' बताया और कहा कि कंपनी के प्लेटफॉर्म बच्चों को हानिकारक सामग्री एवं यौन शिकारियों के संपर्क में ला रहे हैं, जिससे उनके मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ रहा है। अदालत ने मेटा को बच्चों की सुरक्षा और उनके इलाज के लिए एक बड़ा कोष बनाने का आदेश दिया है। इस राशि का एक बड़ा हिस्सा बच्चों के स्वास्थ्य कार्यक्रमों और शिक्षकों के प्रशिक्षण पर खर्च किया जाएगा। फैसले के तहत मेटा को 18 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए कई सख्त नियम लागू करने होंगे। इसमें 'लाइक' की गिनती बंद करना, रात और स्कूल के समय में नोटिफिकेशन रोकना शामिल है। इसके अलावा, बच्चों के लिए इंस्टाग्राम और फेसबुक पर महीने में अधिकतम 90 घंटे यानी करीब तीन घंटे प्रतिदिन की समय सीमा तय की गई है। वयस्कों द्वारा बच्चों को संदेश भेजने पर भी रोक लगाने को कहा गया है।

बैंकॉक में एक स्कूल में गोलीबारी में कम से कम छह लोगों की मौत, 15 घायल

बैंकॉक, यूटर्न/ 07 अगस्त । थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के बाहरी इलाके में शुक्रवार को एक स्कूल में हुई गोलीबारी में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई है और 15 अन्य घायल हो गए हैं। यह घटना बैंकॉक के उत्तर-पश्चिमी बाहरी इलाके में बंग क्रुआइ जिले के डेब्सीरिन नोंगथबुरी स्कूल में हुई।

बैंकॉक पुलिस ने बताया कि घटना में संदिग्ध हमलावर की भी मौत हो गयी है। वह नौवीं कक्षा का छात्र था और महज 14 वर्ष का था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमलावर ने एक शिक्षक को गोली मारने से पहले अलग-अलग कक्षाओं में घूम-घूमकर गोलीबारी की। थाईलैंड में पहले भी ऐसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619

* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *